आश्विन, पक्ष - कृष्ण, तिथि - अमावस्या, संवत 2081 पृष्ठ : 8 | जयपुर, बुधवार | वर्ष-10, अंक-31, 2 अक्टूबर - 8 अक्टूबर, 2024 | मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

jagrukjanta.net

शारदीय नवरात्र पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

बुलडोजर एक्शन पर बोला सुप्रीम कोर्ट : भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश

महज आरोपी या दोषी होना संपत्ति के ध्वस्तीकरण का आधार नहीं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। संपत्तियों के ध्वस्तीकरण यानी बुलडोजर की कार्रवाई पर आज सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह संपत्तियों के ध्वस्तीकरण के मुद्दे पर न केवल किसी खास समुदाय बल्कि सभी नागरिकों के लिए गाइडलाइन जारी की जाएगी। कोर्ट ने कहा कि उसकी गाइडलाइन पूरे भारत में लागू होगी। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि वह यह स्पष्ट कर रहा है कि किसी व्यक्ति का महज आरोपी या दोषी होना संपत्ति के ध्वस्तीकरण का आधार नहीं हो सकता है।

हमारा एक धर्मनिरपेक्ष देश

सुप्रीम कोर्ट के जज बीआर गवई और जज केवी विश्वनाथन की पीठ ने इस मामले में अहम टिप्पणी की है। पीठ ने कहा, 'हम जो कुछ भी तय कर रहे हैं, हमारा एक धर्मनिरपेक्ष देश है। हम सभी नागरिकों, सभी संस्थानों के लिए इसे जारी कर रहे हैं न कि किसी खास समुदाय के लिए।'

किसी खास धर्म के लिए नहीं हो सकता अलग कानून

पीठ ने कहा कि किसी खास धर्म के लिए अलग कानून नहीं हो सकता है। उसने कहा कि वह सार्वजनिक सड़कों, सरकारी जमीनों या जंगलों में किसी भी अनधिकृत निर्माण को संरक्षण नहीं देगा। कोर्ट ने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि हमारे आदेश से किसी भी सार्वजनिक स्थान पर अतिक्रमण करने वालों को मदद न मिले।'

अवैध रूप से ध्वस्तीकरण का मामला संविधान के मूल्यों के खिलाफ

तब सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने ये भी कहा था कि अगर अवैध रूप से ध्वस्तीकरण का एक भी मामला है तो यह हमारे संविधान के 'मूल्यों' के खिलाफ है। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि उसका आदेश सड़कों, फुटपाथ, रेलवे लाइन या तालाबों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर बने अनधिकृत ढांचों पर लागू नहीं होगा। साथ ही उन मामलों पर भी लागू नहीं होगा जिनमें कोर्ट ने ध्वस्तीकरण का ऑर्डर दिया है।

इस मामले की सुनवाई अभी भी है जारी

बता दें कि इस मामले की सुनवाई अभी जारी है। सुप्रीम कोर्ट उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिनमें आरोप लगाया गया कि कई राज्यों में आरोपियों की संपत्ति समेत अन्य संपत्तियां ध्वस्त की जा रही हैं। कोर्ट ने 17 सितंबर को कहा था कि उसकी अनुमति के बगैर 1 अक्टूबर तक आरोपियों समेत अन्य लोगों की संपत्तियों को नहीं गिराया जाएगा।

गाजा की आग में झुलस रहे आतंकवादी और उनके आका!

सटीक

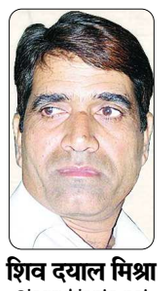

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

वैसे तो इस समय विश्व में छोटी-मोटी लड़ाईयां कई जगह पर चल रही हैं और विवाद हो रहे हैं, मगर दो जगह ऐसी हैं जिनके लिए हम कह सकते हैं कि वे युद्ध हो रहे हैं। पहला यूक्रेन और रूस का युद्ध, जबकि दूसरा युद्ध इस्राइल और हमास का है। यूक्रेन और रूस का युद्ध काफी लंबे समय से चल रहा है और हजारों सैनिक और आमजनता की बलि चढ़ चुकी है। वहीं फलस्तीन और इस्राइल का विवाद चलते हुए दशकों बीत चुके हैं। मगर यह विवाद अभी तक सुलझते नहीं दिख रहा है। कारण ये है कि एक पक्ष है जो चाहता ही नहीं है कि इस्राइल नाम का कोई देश दुनिया में हो। इसलिए इस्राइल हमेशा अपने अस्तित्व को बचाने के लिए आक्रामक नीति पर चल रहा है। उसे जहां भी पता चलता है कि उसके खिलाफ कुछ हो रहा है वह उस जगह को कुछ होने से पहले ही नेस्तनाबूद कर देता है, किसी इंतजार की जरूरत नहीं। पिछले दिनों हमास के आतंकवादियों ने इस्राइल की रिहायशी बस्तियों में घुसकर निरपराध लोगों को मार दिया था और कुछ को बंधक बना लिया। इस्राइल ने उसी समय कह दिया था कि हम अब हमास को खत्म करके ही दम लेंगे। और इस्राइल वही कर रहा है। ऐसा नहीं है कि सारे अरब देश इस्राइल के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करते, आसपास कई देशों के साथ उसके राजनयिक संबंध भी हैं। इसके अलावा भी कई देश इस्राइल के साथ शांति से रहकर विकास के रास्ते पर चलना चाह रहे हैं। मगर इसी दौरान हमास का हमला हो गया और शांति का मामला पीछे चला गया है। हमास, हूती, हिजबुल्ला इन्हें इस्राइल आतंकवादी मानता है। इन आतंकवादियों के पीछे किसका हाथ है। ये किसी से छिपा हुआ नहीं है। ईरान की ओर से कई बार ये बयान दिया जाता रहा है कि मध्य एशिया में इस्राइल को नेस्तनाबूद कर देंगे। जबकि वास्तविकता यह है कि ईरान के कई राजनेता, अधिकारी और वैज्ञानिक अपनी जान गंवा चुके हैं। ईरान की जिद है कि हम परमाणु हथियार बनाकर रहेंगे और अमरीका और इस्राइल उसे परमाणु बम बनाने नहीं दे रहे हैं। देखने की बात यह है कि इस्राइल के खिलाफ शिया, सुन्नी सब एक होकर लड़ते हैं जबकि इराक में सुन्नी बहुलता में है और ईरान में शिया बहुलता में है। अब लेबनान, सीरिया दोनों इस्राइल के खिलाफ युद्ध के मैदान में हैं। इन्हें परोक्ष रूप से ईरान का साथ मिल रहा है। हिजबुल्लाह के मारे जाने के बाद तिलमिलाए ईरान ने 57 मुस्लिम देशों के संगठन (ओआईसी) की आपात बैठक बुलाई है। हालांकि लग ऐसा रहा है कि बैठक में होना-जाना कुछ नहीं है। क्योंकि पड़ौसी के घर में आग लग जाती है तब उसे बुझाने का प्रयास तो हर कोई करता है, मगर आग नहीं बुझने पर हमदर्दी में अपने घर को कोई भी नहीं जलाता। अब जरा भारत की ओर भी देख लें। भारत के पड़ौसी बांग्लादेश में हसीना के तख्तापलट के बाद हिन्दुओं के साथ भारी उत्पीड़न हो रहा है। वहां उनका जीना हराम हो रहा है। उन्हें देश छोड़कर चले जाने का अल्टमीमेट दिया जा रहा है। उनकी बहन बेटियों की इज्जत पर बनी हुई है। घर जलाए जा रहे हैं, मगर हमारे देश के किसी मुस्लिम संगठन ने उनकी निंदा नहीं की है। और भाजपा को छोड़कर किसी राजनीतिक पार्टी ने विरोध नहीं जताया है। ये कैसी विडम्बना है हमारे देश के मुस्लिम राजनेता और संगठन हजारों किलोमीटर दूर हिजबुल्लाह के मारे जाने का शोक मना रहे हैं। हमास के पक्ष में सड़कों पर उतर रहे हैं। मगर उन्हें देश और दुनिया में एक धर्म विशेष के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। उनकी आस्था देश के प्रति न होकर मात्र एक धर्म के प्रति दिखाई दे रही है।

shivdayalmishra@gmail.com

त्योहारों से पहले 48.50 रुपये प्रति सिलेंडर महंगा

» जागरूक जनता @ नई दिल्ली। अक्टूबर का महीना शुरू हो चुका है। इस महीने में त्योहारों की भरमार है। त्योहार के महीने में आम आदमी की जेब पर खर्चा बढ़ता है। इसी महीने की पहली तारीख को गैस के दाम बढ़ गए हैं। एलपीजी सिलेंडर के नए रेट आज 1 अक्टूबर 2024 से देश भर में प्रभावी हो गए हैं। गैस कीमतों में ये बढ़ोतरी 48.50 रुपये प्रति सिलेंडर पर हुई है। इसे 19 किग्रा. वाले गैस सिलेंडर के लिए बढ़ाया गया है।

राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024

प्रदेश में मुख्यमंत्री ने निवेश का दिया न्यौता

» जागरूक जनता @ जयपुर। नई दिल्ली में निवेशकों की बैठक के बाद राजस्थान सरकार ने केंद्र सरकार के स्वामित्व वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ मंगलवार को एक कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारियों को राज्य में मौजूद व्यवसाय व निवेश के बारे में बताया और उन्हें प्रदेश में कारोबार बढ़ाने और नए निवेश करने का न्यौता भी दिया। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने इस अवसर पर 50 से अधिक केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारियों को राज्य के व्यापारिक परिदृश्य, निवेश के नए अवसरों और राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे प्रमुख व्यापार-अनुकूल बदलावों की जानकारी दी।

इस सीपीएसई कॉन्क्लेव में भाग लेने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के केंद्रीय उपक्रमों में हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (कॉनकोर), एनटीपीसी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया, आईआरईडीए, पीजीसीआईएल, इंडियन ऑयल, एनटीपीसी, सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, इंडिया टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (आईटीडीसी), फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई), न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल), राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (एनआई-एमएसएमई), आईआरसीटीसी, एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई), ऑटोमोटिव स्किल्स डेवलपमेंट काउंसिल, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), एफआईसीएसआई (खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए सेक्टर स्किल काउंसिल), मैनेजमेंट एंड आंत्रप्रिन्योरशिप एंड प्रोफेशनल स्किल्स काउंसिल (एमईपीएससी) शामिल हैं।

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net

JAGRUK CITY
जागरूक सिटी

02 जयपुर, बुधवार
2 अक्टूबर- 8 अक्टूबर 2024

/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ऑनलाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

■ **अरुण अग्रवाल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति सदस्य मनोनीत**

» जागरूक जनता @ जयपुर। राजस्थान चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (RCCI) के महासचिव एवं प्रवक्ता डॉ. अरुण अग्रवाल को रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति (डीआरयूसीसी) ने बतौर सदस्य नियुक्त किया है। मण्डल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति (डी.आर.यू.सी.सी.) द्वारा आगामी दो वर्षो के लिए जयपुर मण्डल का पुनर्गठन किया गया जिसमें आर.सी.सी.आई के महासचिव एवं प्रवक्ता डॉ. अरुण अग्रवाल को बतौर सदस्य नियुक्त किया गया है। वर्तमान में डॉ. अरुण अग्रवाल जयपुर में विभिन्न संस्थाओ जैसे अध्यक्ष- अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन, राजस्थान (IMF), कार्यकारी अध्यक्ष- फैडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एण्डइंडस्ट्री (FORTI), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष- भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल (BUVM), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष- अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन (AIVF) एवं अन्य कई गरिमामयी संस्थाओ के साथ जुड़कर कार्य कर रहे है।

■ **अमित ग्राम गदर पुरस्कार से सम्मानित**

» जागरूक जनता @ जयपुर। कंज्यूमर यूनिटी एंड ट्रस्ट सोसायटी (कट्स) की ओर से मंगलवार को लाल कोठी स्थित एक होटल में वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार अमित बैजनाथ गर्ग को साल 2023 के लिए ग्राम गदर ग्रामीण पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान किया गया। अमित को पुरस्कार स्वरूप दस हजार रुपए की राशि और प्रशस्ति-पत्र दिया गया। अमित को जलवायु परिवर्तन का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव विषय पर विभिन्न समाचार-पत्रों में प्रकाशित खोजपूर्ण आलेखों के आधार पर यह पुरस्कार दिया गया। गौरतलब है कि अमित को इससे पहले कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मान भी हासिल हो चुके हैं। अमित मूलतः अलवर जिले के खेड़ली कस्बे के रहने वाले हैं और जयपुर में रहकर स्वतंत्र पत्रकारिता कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस: 39 वृद्धजनों एवं 8 स्वयंसेवी संस्थाओं का किया सम्मान

बुजुर्गों के सम्मानपूर्वक जीवन के लिए सभी को समन्वित प्रयास करने होंगे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने कहा कि बुजुर्गों के सम्मानपूर्वक जीवन के लिए सभी को मिलकर समन्वित प्रयास करने होंगे। रिटायरमेंट लाइफ के बाद बुजुर्ग सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सक्षम रहें यह भी जरूरी होता है। उनके साथ भावनात्मक संबंध बने रहे और उम्र बढ़ने के साथ होने वाले रोगों के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए ताकि बीमारियों से जितना हो सके बचा जा सके।

रांका अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान में आयोजित राज्यस्तरीय वृद्धजन सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 60 वर्ष से अधिक 11% व्यक्ति है और बेहतर चिकित्सा सेवाओं से यह प्रतिशत और बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा की बुजुर्गों के जीवन को सुगम्य बनाने के लिए राज्य सरकार की योजनाओं और हेल्पलाइन नंबर के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भौतिकतावाद के साथ हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन हुआ है, जिसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। रांका ने कहा कि वृद्धजनों के प्रति बच्चों व युवाओं को संवेदनशील बनाने, वयोवृद्धों की देखभाल और ध्यान रखने की भारतीय परंपराओं को सुदृढ़ बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि युवाओं को बुजुर्गों के अनुभवों का लाभ उठाना चाहिए क्योंकि यह अनुभव युवाओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में वृद्ध कल्याण, सांस्कृतिक, कला, सामाजिक, साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करने वाले 39 वृद्धजनों एवं वृद्ध कल्याण के क्षेत्र में कार्य करने वाले 8 स्वयं सेवी संगठनों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

आमेर शिला माता मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ होगी घट स्थापना

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शारदीय नवरात्रि का प्रारंभ तीन अक्टूबर से होगा। इसके साथ ही मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई। आमेर शिला माता मंदिर में शारदीय नवरात्रि मेले की तैयारियां शुरू हो गई। आमेर शिला माता मंदिर के पुजारी बनवारी लाल शर्मा ने बताया कि तीन अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि प्रारंभ होंगे। शिला माता मंदिर में सुबह 6.35 बजे मंत्रोच्चार के साथ घट स्थापना होगी। इसके बाद सुबह 7.35 बजे से श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। 9 अक्टूबर को आमेर में छठ का मेला भरेगा। 10 अक्टूबर को रात 10 बजे निशा पूजा होगी। 11 अक्टूबर को शाम 04.39 बजे पूर्णाहुति होगी। 13 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे उत्थापना होगी। गौरतलब है कि आमेर का शिला माता मंदिर एक ऐतिहासिक मंदिर है। इस मंदिर की प्रतिमा को राजा मानसिंह युद्ध में जीत कर लाए थे। पुरातत्व विभागके मुताबिक इस प्रतिमा को बंगाल से लाया गया था। मंदिर का मुख्य द्वार चांदी से निर्मित किया गया है।

संगीतमय सुंदरकांड के पाठ सम्पन्न

» जागरूक जनता @ जयपुर। जयपुर।पेंशनर समाज मुरलीपुरा शाखा ने स्थानीय गोयल मैरिज हाल में मदन लाल शर्मा अध्यक्ष के सान्निध्य में संगीतमय सुन्दरकाण्ड का पाठ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में भक्तगण नृत्य करने लग गए और मन्त्रमुग्ध पाठ का आनंद लेते रहे। नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि सभी आगतुकों ने पाठ के उपरान्त सामूहिक प्रसादी ग्रहण की।

भागवत कथा में खेली पुष्प होली

» जागरूक जनता @ जयपुर। मुरलीपुरा स्थित जमनापुरी कॉलोनी में आयोजित भागवत कथा में सातवे दिन सुदामा चरित्र की कथा को महाराज श्री लाल जी भाई शास्त्री के द्वारा सुनाया गया। पुष्प की होली से होली उत्सव मनाया गया।कार्यक्रम सयोजक राम मोहन गुप्ता ने बताया कि सैकड़ों की सख्या में भक्तों ने भागवत कथा को सुना और पुष्प होली का आनंद लिया।

यज्ञ के साथ राम नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया।

जयहिन्द शुभकामना ग्रुप ने मनाया स्नेहलता साबू का जन्मदिन

» जागरूक जनता @ जयपुर। जय हिन्द शुभकामना ग्रुप विद्याधर नगर ने समाजसेविका एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़कर समाजसेवा में अग्रगन्य भाजपा की पूर्व जयपुर शहर महासचिव स्नेहलता साबू के निवास पर 27 सितंबर को उनका जन्मदिन मनाया गया। हिन्दू संस्कृति के अनुसार दीप प्रज्जवलित कर वैदिक मन्त्रोंच्चारण के साथ पुष्पवर्षा की गई। परिजन एवं इष्टमित्रों के साथ मनाये गए जन्मोत्सव में ग्रुप सदस्यों ने स्नेहलता का मिल्क केक से मुँह मीठा कराया और स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक नगेंद्र वशिष्ठ, गोपाल शर्मा, शिवदयाल मिश्रा, हरिशंकर गौड, लोकचंद हरिरामानी, काशी नाथ दीक्षित सहित अन्य साथी उपस्थित रहे।

4 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक जवाहर कला केन्द्र में होगा आयोजन

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी करेंगी राज्यस्तरीय अमृता हाट का उद्घाटन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। महिला अधिकारिता महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जयपुर के जवाहर कला केन्द्र में राज्य स्तरीय अमृता हाट का आयोजन आगामी 04 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक किया जाएगा। उपनिदेशक, महिला अधिकारिता विभाग डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि राज्य स्तरीय अमृता हाट का उद्घाटन शुक्रवार, 4 अक्टूबर को सांय 6 बजे उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी करेंगी। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार राज्य मंत्री बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत करेंगीं। उन्होंने बताया कि राजस्थान के महिला स्वयं सहायता समूहों एवं महिलाओं द्वारा निर्मित/मूल्य संवर्धित उत्पादों की अमृता हाट में प्रदर्शनी एवं बिक्री की जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम, सेल्फी पॉइंट, डू इट योर सेल्फ कार्नर, आत्मरक्षा प्रशिक्षण डेमो, फूड कोर्ट आदि इस राज्य स्तरीय अमृता हाट के आकर्षण के मुख्य केन्द्र होंगे।

विद्याधर नगर विस क्षेत्र में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा का धूमधाम से मनाया जन्मदिन

» जागरूक जनता @ जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का जन्मदिन जागृति विद्या मंदिर झोटवाड़ा में झोटवाड़ा शहर ब्लॉक अध्यक्ष हरेंद्र पाल सिंह जादौन व विप्र कल्याण बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष मंजू शर्मा के संयोजन में स्वास्थ्य जांच शिविर, पौधारोपण व केक काटकर ओर लड्डू बांटकर बड़े धूमधाम से जन्मदिन मनाया गया । इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव राम सिंह कसवां व आर सी चौधरी के साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ,जिला पदाधिकारी, पार्षद , पार्षद प्रत्याशी, मंडल अध्यक्ष ,वार्ड अध्यक्ष सहित सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

20 लाख की लागत से सुधरेगी शमशान की हालत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर वार्ड 14 में काका कॉम्प्लेक्स के पास स्थित शमशान में विकास के लिए स्वीकृत 20 लाख रुपए की लागत से कार्यों का पूजन कर कार्य प्रारंभ करवाया। स्वीकृत राशि से शमशान में टीन शेड चबूतरा एवं अन्य आवश्यक कार्य कराए जाएंगे। स्वामी बालमुकुंदाचार्य ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर क्षेत्र के शमशानों के विकास की मांग स्थानीय निवासियों द्वारा की जा रही थी। इस अवसर पर नन्दकिशोर सैनी पार्षद वार्ड नंबर 14, कैलाश जांगिड़ जल महल मंडल अध्यक्ष, मनोज वशिष्ठ महामंत्री जल महल मंडल, जगदीश जग्रवाल महामंत्री जल महल मंडल, ठाकुर भाई उपाध्यक्ष जल महल मंडल, रमेश गुर्जर उपाध्यक्ष जल महल मंडल, हीरालाल गुर्जर वार्ड संयोजक वार्ड 14, कजोड़ मल सैनी किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष, प्रकाश सैनी युवा मोर्चा, मुकेश पुरी गोस्वामी भाग अध्यक्ष, सोहनलाल, गंगाराम, जगदीश गुर्जर, मंगल बिहारी सैनी भाग अध्यक्ष और अन्य सैकड़ो कार्यकर्ता और आम जनता की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

डॉ. जैन अध्यक्ष, महाराज जयसिंह पुनः राजस्थान चैंबर के प्रेसीडेंट ऐमेरिटस चुने गये

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, जयपुर की 74वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन राजस्थान चैम्बर के श्री मोहनलाल सुखाड़िया स्मृति सभागार में किया गया। इस सभा में राजस्थान चैम्बर की नवीन कार्यकारिणी के वर्ष 2024-27 के लिए चुनाव सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी अभय कुमार भंडारी, लक्ष्मी लाल जैन एवं मीनालाल अग्रवाल ने चुनाव परिणामों की घोषणा की, जिसमें डॉ के. एल. जैन को अध्यक्ष एवं महाराज जयसिंह पुनः सर्व सम्मति से प्रेसीडेंट ऐमेरिटस चुना गया। साथ ही, डी. एस. भंडारी, आर एस जैमिनी, राजीव भंसाली, एस के पोद्दार, राजीव जैन एवं आत्माराम गुप्ता सर्वसम्मति से वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गये। कांतिचन्द धांधिया कोषाध्यक्ष के पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए। इसके अतिरिक्त रेणु भंडारी, आर पी बटवाड़ा, डॉ अरुण अग्रवाल, एन के जैन, आनन्द महरवाल एवं बी बी शर्मा मानद महासचिव चुने गये।

राजस्थान चैम्बर की नवीन कार्यकारिणी में इसके अतिरिक्त 21 उपाध्यक्ष, 13 मानद सचिव, 27 मानद अतिरिक्त सचिव एवं 19 मानद संयुक्त सचिव भी चुने गये। नव निर्वाचित कार्यकारिणी की सूची प्रेस विज्ञप्ति के साथ संलग्न है। राजस्थान चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के अध्यक्ष डॉ के. एल. जैन ने सभी सदस्यों को उन्हें अध्यक्ष के रूप में चुनने के लिए आभार जताया एवं चैम्बर के क्रियाकलापों में सहयोग देने हेतु आग्रह किया।

मंच संचालन एवं अभिव्यक्ति कौशल सीखाने हेतु कार्यशाला आयोजित

» जागरूक जनता @ जयपुर। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय में अभिव्यक्ति क्लब एवं पब्लिक स्पीकिंग क्लब के संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं को मंच संचालन एवं अभिव्यक्ति कौशल सीखाने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने अभिव्यक्ति को जीवन का महत्त्वपूर्ण कौशल बताते हुये छात्राओं को उच्चारण एवं आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को अभिव्यक्त करने हेतु प्रेरित किया। अभिव्यक्ति क्लब संयोजक डॉ. धर्मा यादव ने छात्राओं को कार्यशाला के उद्देश्य से अवगत कराया।

हाथी गांव में हाथी सवारी की दरों में 650 की वृद्धि

» जागरूक जनता @ जयपुर। हाथी गांव में भी हाथी सवारी की दरों में वृद्धि की गई है। प्रवेश शुल्क सहित अब 850 रुपए के स्थान पर 1500 रुपए शुल्क किया गया है। हाथी सवारी में 650 रुपए की वृद्धि की गई है। जो की 1 अक्टूबर से लागू हो गई। अभी तक भारतीय पर्यटक से तमाम शुल्क सहित 108 रुपए और विदेशी से 379 प्रवेश शुल्क लिया जाता था। हालांकी प्रवेश शुल्क में परिवर्तन नहीं किया गया है। अरण्य भवन में हाथी कल्याण समिति के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में दरों में वृद्धि का निर्णय हुआ था।

बदले समय पर होगी हाथी सवारी

बता दें कि आमेर में भी हाथी सवारी की दर 1100 रुपए से बढ़कर 3500 रुपए की गई है। वहीं आमेर में बदले समय पर हाथी सवारी होगी. 1 अक्टूबत सुबह 8 से 11 बजे तक हाथी सवारी होगी। प्रत्येक हाथी के 5-5 राउंड निर्धारित किए गए हैं। फरवरी तक के लिए रोटेशन व समय बदला गया है।

5 अक्टूबर से प्रदेशभर में चलेगा अभियान

अवैध जल कनेक्शन पर होगी कार्यवाही

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव, पीएचईडी भास्कर ए सावंत ने कहा कि प्रदेश भर में अवैध कनेक्शन को चिन्हित कर अवैध जल कनेक्शन करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु 5 अक्टूबर से अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान प्रभावी एक्शन लिया जाना सुनिश्चित करें एवं अवैध जल कनेक्शन करने वाले उपभोक्ताओं का जल कनेक्शन का नियमितिकरण भी किया जाए। प्रमुख शासन सचिव मंगलवार को जल भवन में अमृत 2.0, जल जीवन मिशन योजना एवं अवैध जल कनेक्शन की प्रगति के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने अमृत 2.0 मिशन के तहत् 183 नगर पालिकाओं में जल आपूर्ति कार्यों हेतु कम तकनीकी स्वीकृति जारी किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि योजना के तहत शेष रही तकनीकी स्वीकृति को शीघ्र जारी किया जाए।

सावंत ने कहा कि पानी की चोरी एवं अवैध कनेक्शन की लगातार शिकायतें मिल रही हैं। कई शहरों में हजारों की संख्या में अवैध जल कनेक्शन चिन्हित हो चुके हैं, उनके अनुपात में अवैध कनेक्शन हटाने की कार्रवाई कम हुई है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि राइजिंग मैन लाइन एवं वितरण लाइन से सभी अवैध कनेक्शन को अभियान से पूर्व चिन्हित कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि अवैध कनेक्शन धारक के विरूद्ध पी.डी.पी. एक्ट के तहत एफआईआर भी दर्ज कराई जाए।

प्रमुख शासन सचिव ने जयपुर शहर में लंबित पेयजल कनेक्शन का निस्तारण शीघ्र करते हुए अधिशाषी अभियंता स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अधिकारी एवं कार्मिक द्वारा लापरवाही की जाती है तो उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने नए जल कनेक्शन के ऑनलाइन आवेदन के पश्चात कनेक्शन होने तक के कार्यों का प्रत्येक स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने एफएचटीसी की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा प्रतिदिन क्षेत्र स्तर पर की जाए।

जागरूक खबरें

■ राज्यपाल बागडे ने गांधी एवं शास्त्री जयन्ती पर उन्हें स्मरण करते उनके आदर्श अपनाने का आह्वान किया

» जागरूक जनता @ जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती (2 अक्टूबर) पर उन्हें स्मरण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए हैं। बागडे ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और उनके दर्शन को स्मरण करते हुए कहा कि गांधीजी का सम्पूर्ण जीवन सत्य और अहिंसा से जुड़ा रहा। अहिंसा की उनकी दृष्टि ने राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तनों में महती भूमिका निभाई।
बागडे ने कहा कि इसी तरह लाल बहादुर शास्त्री का जीवन ईमानदारी और शुचिता का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने राष्ट्र की इन महान विभूतियों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए उनके बताए आदर्श मार्ग पर चलने का आह्वान किया है।

■ गांधी जयंती पर सचिवालय और गांधी सर्किल पर होंगे कार्यक्रम

» जागरूक जनता @ जयपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधीकी जयंती के अवसर पर 2अक्टूबर को जयपुर में शासन सचिवालयतथा जेएलएन मार्ग स्थित गांधी सर्किल पर कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। शासन सचिवालय परिसर में प्रात: 7:30 बजे आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के बाद बापू के प्रिय भजनों और रामधुनी की प्रस्तुति की जाएगी। इसी प्रकार प्रात: 8:15 बजे से जवाहर लाल नेहरू मार्ग स्थित गांधी सर्किल पर आयोजित कार्यक्रम में भी पुष्पांजली और भजन होंगे। इन कार्यक्रमों में राज्य मंत्रि परिषद् के सदस्यगण, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं आमजन भाग लेंगे।

संग्रहाध्यक्ष, खोज एवं उत्खनन अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2023, मॉडल उत्तर कुँजियां जारी

» जागरूक जनता @ जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग हेतु 19 जून 2024 को आयोजित संग्रहाध्यक्ष प्रतियोगी परीक्षा-2023 तथा खोज एवं उत्खनन अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2023 की मॉडल उत्तरकुँजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। यदि किसी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 5 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2024 को रात्रि 12:00 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है। आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्रों के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करनी होंगी।

डेल्फिक क्लब का उद्घाटन समारोह आयोजित

सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित और उसे आगे बढ़ाना हमारा प्राथमिक कर्तव्य-गुहा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। डेल्फिक काउन्सिल ऑफ राजस्थान ने कला एवं संस्कृति के प्रति युवाओं की भागीदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य के विद्यालयों में स्थापित डेल्फिक क्लब की वार्षिक गतिविधियों का उद्घाटन समारोह भारतीय विद्याभवन विद्याश्रम स्थित प्रताप सभागार में आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्रामीण विकास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रेया गुहा ने किया।

गुहा ने राज्य की कला और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करना और उसे आगे बढ़ाना हमारा प्राथमिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि डेल्फिक क्लब के माध्यम से आयोजित होने वाली सांस्कृतिक गतिविधियां इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि पारंपरिक लोक संगीत और नृत्य से लेकर बारीक शिल्प और वास्तुकला तक राज्य की समृद्ध विरासत पूरे विश्व में अलग पहचान रखती है। हमारा कर्तव्य है कि हम इन प्राचीन परंपराओं को संरक्षित करें और इन्हें नई ऊँचाइयां देने और वैश्विक पटल पर लाने के लिए नवाचार करें।

इस अवसर पर प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना मनीषा पाण्डे गुलियानी द्वारा एक विशेष नृत्य कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। इसमें युवा प्रतिभागियों को कथक की बारीकियों और उसकी समृद्ध परंपरा को करीब से जानने और समझने का अवसर मिला। इसके अलावा कार्यशाला में विभिन्न नृत्य विधाओं का प्रत्यक्ष प्रस्तुतिकरण भी किया गया। कार्यक्रम में अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त लोक कलाकार, अनीता प्रधान ने भी घूमर नृत्य के माध्यम से राजस्थानी लोक कला की अनूठी छवि प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी पहचान है, और इसे सहेजना हम सभी का कर्तव्य है। कन्टेपरेरी नृत्य में श्री प्रणय माथुर (बस्कर) ने विद्यार्थियों को नृत्य की विभिन्न विधाओं की बारिकियों से अवगत कराया।

कार्यशाला में अनुभव प्रतिभागीयों को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर डेल्फिक काउन्सिल की अध्यक्ष श्रेया गुहा ने विद्याश्रम की प्रधानाचार्य प्रिति सांगवान को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया तथा राज्य की कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों के ज्यादा से ज्यादा आयोजन करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में डेल्फिक क्लब ऑफ राजस्थान के अन्य सदस्य कीर्ति शर्मा, क्षिप्रा शर्मा, राहुल सूद, शबाना डागर आदि उपस्थित रहे।

गाय के दूध की खीर से प्रसन्न होते हैं पितृ, देते हैं आशीर्वाद-पं. केदार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

वैशाखमासस्य तु या तृतीया,
नवद्यासौ कार्तिकशुक्लपक्षे।।
नभस्य मासस्य च कृष्णपक्षे,
त्रयोदशी पंचदशी च माघे।।
उपप्लवे चन्द्रमसो रवेश्च,
श्राद्धस्य कालो ह्ययनद्वये चः।
पानीयमप्यत्र तिलैर्विमिश्रं,
दद्यात् पितृभ्यः प्रयतो मनुष्यः।।
श्राद्धं कृतं तेन समा सहस्रं,
रहस्यमेतत् पितरो वदन्तिः।।

अर्थात् वैशाख मास की शुक्ला तृतीय, कार्तिक शुक्लपक्ष की तृतीया, भाद्रपद

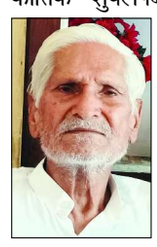

मासकी कृष्णा त्रयोदशी, माघ की अमावस्या, चन्द्रमा और सूर्य का ग्रहण तथा उत्तरायण और दक्षिणायन के प्रारम्भिक दिन-ये श्राद्ध के उत्तम काल है। इन दिनों में मनुष्य पवित्र चित्त होकर यदि पितरों के लिए तिल मिश्रित जल का भी दान कर दे, तो उसके द्वारा एक जार वर्ष तक श्राद्ध किया हुआ हो जाता है। यह रहस्य स्वयं पितरों का बतलाया हुआ है।

इस समय पितृ पक्ष चल रहा है और गाय का दूध एकाएक उपलब्ध नहीं है। दूसरी तरफ गाय के अस्तित्व पर बड़ा संकट दिखाई देने लगा है। गांवों में गायें रही नहीं है और अगर रही हैं तो उनके चारे-पानी की व्यवस्था नहीं है। हालांकि सरकार की तरफ से गऊशालाओं में गायों के लिए सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। गाय के दूध और पितरों को लेकर बनीपार्क स्थित ओंडा महादेव मंदिर के महंत **विद्वान पं. केदार दाधीच** से हुई बातचीत में उन्होंने बताया कि श्राद्ध पक्ष में तिथिवार अपने-अपने पितरों को भोग लगाया जाता है। अगर किसी को अपने पितरों की पुण्य तिथि मालूम न हो तो व अमावस्या को भोग लगा सकते हैं। प्रत्येक मास में पितृ अमावस्या आती है, परन्तु श्राद्ध पक्ष में आने वाली अमावस्या का बड़ा महत्व है। श्राद्ध पक्ष में पितरों को मृत्यु लोक में आने की इजाजत मिलती है और वे 15 दिन तक यहां रहकर अपने वंशजों द्वारा लगाए गए भोग को ग्रहण करते हैं। तृप्ति के बाद आशीर्वाद प्रदान करते हैं। अगर गाय के दूध से बनी खीर जिसमें श्रद्धानुसार मेवे और शहद मिलाकर पितरों को भोग लगाया जाए तो पितृ वर्षभर तक तृप्त रहते हैं। शास्त्रों के अनुसार गाय में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास है। गाय का प्रत्येक अंग पूजनीय है। गाय की पीठ पर जो कूबड़ होता है उसमें अमृत बहता है और शरीर की प्राकृतिक अवस्था के अनुसार वह अमृत दूध में मिल जाता है। इसीलिए गोमूत्र एक प्रकार की औषधि है। पहले मांगलिक कार्यों में गाय के गोबर से आंगन को लीपा जाता था। गाय के कंडों से हवन हुआ करते थे। अब सब धीरे-धीरे लुप्त हो रहे हैं। पहले हर घर में गाय होती थी। घर-गृहस्थी के सब लोग गाय की सेवा करते थे। मगर, अब तो घर को छोड़ो, गांवों में ही नहीं है। जयपुर शहर में पितृपक्ष के दौरान कहीं गायों के दर्शन नहीं हुए। कुछ मंदिरों की गऊशाला में जाकर लोगों ने गाय को श्राद्ध का भोग खिलाया। अब हर व्यक्ति तो गऊशाला में जा नहीं पाता और न ही मंदिर वाले खिलाने देते हैं। ऐसे में लोगों ने पितरों के नाम का निकाला भोग इधर-उधर सड़कों पर ही रख दिए। पितरों के भोग में कन्या, गाय, कऊआ और कुत्ते का भाग शामिल होता है।

आईएएस राजन विशाल ने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के शासन सचिव का कार्यभार किया ग्रहण

ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और सेवाभाव से कार्य करें अधिकारी-विशाल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी राजन विशाल ने शासन सचिवालय में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के शासन सचिव का कार्यभार ग्रहण कर पंत कृषि भवन में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कीं।

राजन ने अधिकारियों को ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और सेवाभाव के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यो को पूर्ण ईमानदारी के साथ समय पर पूरा करें, जिससे आम नागरिक को विभागीय योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके। शासन सचिव ने कहा कि बजट घोषणाओं को धरातल पर लागू कर ग्रामीण क्षेत्र के अन्तिम छोर पर बैठे कृषक को योजनाओं का लाभ दिया जाना सुनिश्चित करें। किसानों को जैविक खेती एवं माइक्रो इरिगेशन के प्रति जागरूक किया जायेगा, जिससे पैदावार में बढ़ोतरी के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो सकेगी। राजन ने सभी अधिकारियों को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट-2024 को पूर्ण सफल बनाने के लिए मुस्तैदी से काम करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि कृषकों की खुशहाली के लिए हर संभव प्रयास किये जायेंगे। बैठक में आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, निदेशक कृषि विपणन विभाग राजेश कुमार चौहान, प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य बीज निगम निमिषा गुप्ता, महाप्रबंधक कृषि विपणन बोर्ड संजय शर्मा, अतिरिक्त निदेशक कृषि विपणन विभाग रविन्द्र कुमार शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

लंबे समय के बाद खुली हाउसिंग बोर्ड की ई-नीलामी

प्रमुख शहरों में की जाएगी प्रीमियम प्रॉपर्टीज की नीलामी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान आवासन मण्डल की ओर से लंबे समय बाद राजस्थान के प्रमुख शहरों में प्रीमियम प्रॉपर्टीज की नीलामी की जा रही है। राजस्थान आवासन मण्डल ने जयपुर सहित राजस्थान के विभिन्न शहरों में स्थित आवासीय व व्यावसायिक भूखंड एवं निर्मित आवास नीलामी के माध्यम से उपलब्ध करवाए हैं। आवासन मंडल की ओर से प्रीमियम प्रॉपर्टी की ई-नीलामी 4 स्लॉट्स में की जाएगी।

आयुक्त डॉ रश्मि शर्मा ने बताया कि राजस्थान आवासन मंडल एक बार फिर आमजन के लिए बड़ी खुशखबरी लेकर आया है। राजस्थान के प्रमुख शहरों में प्रीमियम संपत्ति खरीदने का आमजन के पास अब सुनहरा मौका है। आवासन मंडल की ओर से जयपुर, भरतपुर, फलोदी, बीकानेर, अलवर, चूरू, सीकर, जोधपुर और भिवाड़ी में प्रीमियम संपत्तियों की ई-नीलामी की जा रही है। डॉ शर्मा ने बताया कि राजस्थान में 4 स्लॉट्स में ई-नीलामी होगी 3 अक्टूबर से 5 अक्टूबर, 7 अक्टूबर से 9 अक्टूबर, 14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर और 21 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक 4 अलग-अलग स्लॉट्स में भूखंडों की नीलामी होगी। जिनमें आवासीय और व्यावसायिक दोनों तरह के भूखंड और आवासीय निर्माण शामिल हैं।

जयपुर में 11 बड़े व्यावसायिक भूखंड, 39 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 31 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास बीकानेर में 46 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 7 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास भिवाड़ी में 3 बड़े व्यावसायिक भूखंड, 29 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 4 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास फलोदी में 1 बड़ा व्यावसायिक भूखंड अलवर में 3 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 7 आवासीय भूखंड और निर्मित आवास चूरू में 9 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास सीकर में 4 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास भरतपुर में 7 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास नीलामी के लिए उपलब्ध हैं।

नीलामी में भाग लेने और अधिक जानकारी के लिए आमजन http://rhb.rajasthan.gov.in पर लॉगिन कर या हेल्पलाइन नं. 0141-2744688, 2740009, एवं 9460254319 पर संपर्क कर सकते है। त्यैहारी सीज़न में सुनहरा मौका, अधिक से अधिक लोग उठाएं लाभ-आयुक्त आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि त्योहारी सीज़न में आमजन के लिए प्रीमियम प्रॉपर्टी खरीदने का यह सुनहरा मौका है। उन्होंने कहा कि आवासन मंडल की ओर से आगे भी विभिन्न आवासीय योजनाओं व नीलामी के प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

विधान सभा में उप सचिव रघुवीर सिंह का सेवानिवृत्ति समारोह

सामूहिकता के भाव से श्रेष्ठ कार्य करें-देवनानी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विधान सभा हमारी है, ऐसी सामूहिकता के भाव से श्रेष्ठ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जीवन में व्यावहारिक सोच रखें। विधान सभा सेवा से रिटायर भले ही हो जायें, लेकिन जीवन में कभी भी टायर्ड महसूस न करें। सदैव कार्य करते रहे। देवनानी मंगलवार को विधान सभा में उप सचिव रघुवीर सिंह के अर्धवार्षिक आयु प्राप्त होने पर आयोजित सेवा निवृत्ति समारोह को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने कहा कि विधानसभाओं के सम्मेलन में यह चर्चा थी कि राजस्थान विधान सभा देश की श्रेष्ठ विधान सभाओं में शुमार है। राजस्थान विधान सभा की यह पहचान विधान सभा के प्रत्येक कर्मचारी और अधिकारी के योगदान से बनी है।

विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा ने स्वागत उद्बोधन किया। सेवानिवृत्त उप सचिव रघुवीर सिंह ने अपने अनुभव सुनायें। इस मौके पर विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव पुरुषोत्तम शर्मा, उप सचिव संजीव शर्मा सहित विधान सभा के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने रघुवीर सिंह का साफा पहनाकर शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया। राजस्थान विधान सभा की बचत एवं साख सहकारी समिति के अध्यक्ष रवि जैन द्वारा अध्यक्ष महोदय का आभार प्रकट किया। इससे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने महात्मा गांधी व स्व. शास्त्री को उनकी जयंती पर नमन किया है।

विधान सभा अध्यक्ष ने समिति कार्यकारिणी को शपथ दिलाई

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को विधान सभा में राजस्थान विधान सभा सचिवालय कर्मचारी बचत एवं साख सहकारी समिति की नव निर्वाचित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शपथ दिलाई। देवनानी ने समिति में रवि कुमार जैन अध्यक्ष, अजय शर्मा उपाध्यक्ष, सुरेश मीणा सचिव, योगेश त्रिपाठी को कोषाध्यक्ष और आभा रस्तोगी, रसिक बिहारी मीणा, भानु प्रकाश शर्मा, अनिता शर्मा, रितेश मोदी, नरेश कुमार जोशी, रविन्द्र नैनावत और दीपक शर्मा को सदस्य पद की शपथ दिलाई। देवनानी ने कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि सभी निष्ठा से कार्य कर समिति को प्रगति की राह पर ले जायें। आपसी सद्भाव का वातावरण बनायें। कर्मचारी एक-दूसरे के सुख-दर्द में भागीदार बनें। समिति के अध्यक्ष रवि जैन ने विधान सभा अध्यक्ष को समिति द्वारा किये जाने वाले कार्यों की रूपरेखा की विस्तार से जानकारी दी।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management
MSGJET
SchoolMaster SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner Marketing Partner Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सम्पादकीय

शब्द और जुबान संभाल के

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के जज की अशोभनीय टिप्पणियों पर सख्त हिदायत दी है। जज ने माफी मांग ली, लेकिन चीफ जस्टिस की अगुआई वाली बेंच ने इसे गंभीरता से लिया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ-साफ कहा है कि किसी भी क्षेत्र को पाकिस्तान कहना क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ है। कर्नाटक हाईकोर्ट के एक जज की ओर से हाल में एक सुनवाई के दौरान की गई अशोभनीय और आपत्तिजनक टिप्पणियों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जो सख्त हिदायत दी, वह जूडिशरी के साथ ही शासन और समाज के अन्य हिस्सों पर भी लागू होती है। संबंधित जज की ओर से माफी मांग लिए जाने के बाद इस केस को ठीक ही बंद कर दिया गया, लेकिन चीफ जस्टिस की अगुआई वाली पांच सदस्यीय बेंच के इस दौरान दिए गए ऑब्जर्वेशन खास तौर पर गौर करने लायक हैं।

निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट का इस मामले को तुरंत संज्ञान में लेते हुए इस पर कार्रवाई शुरू करना शुभ संकेत है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ का यह कहना भी अहम है कि देश के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान बताना हमारी क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ है।

यह मामला महत्वपूर्ण इसलिए भी है क्योंकि हाईकोर्ट के जज की जो टिप्पणियां सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, उनमें दिखने वाला पूर्वाग्रह समाज के व्यापक दायरे में प्रचलित है। रोजमर्रा की जिंदगी में आम तौर पर लोग शहर के किसी खास हिस्से का पाकिस्तान या मिनी पाकिस्तान के रूप में जिक्र करते पाए जाते हैं। महिला विरोधी पूर्वाग्रह भी हमारे समाज की एक पुरानी और गहरी बीमारी है। ऐसे में जब हाईकोर्ट का जज किसी महिला वकील पर अशोभनीय टिप्पणी करता या शहर के किसी खास क्षेत्र को पाकिस्तान बताता दिखेगा तो उसके दुष्प्रभावों की सहज ही कल्पना की जा सकती है।

निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट का इस मामले को तुरंत संज्ञान में लेते हुए इस पर कार्रवाई शुरू करना शुभ संकेत है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ का यह कहना भी अहम है कि देश के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान बताना हमारी क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट के इस सख्त रुख ने न केवल न्यायपालिका को बल्कि जिम्मेदार पदों पर बैठे सभी लोगों को यह संदेश दिया है कि उन्हें अपनी टिप्पणियों को लेकर गंभीर होना चाहिए। इस मामले का एक और अहम पहलू है पारदर्शिता। चूंकि यह मामला हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान आई टिप्पणी के सोशल मीडिया पर वायरल होने का था और जज का कहना था कि उनकी टिप्पणी को संदर्भों से काटकर पेश किया गया है, इसलिए कुछ हलकों में यह बात भी होने लगी थी कि हाईकोर्ट की कार्रवाई की लाइव स्ट्रीमिंग बंद होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अस्पष्टता की कोई गुंजाइश न रखते हुए साफ कर दिया कि अगर पारदर्शिता से कोई समस्या आती है तो उसका एकमात्र जवाब है और ज्यादा पारदर्शिता।

सुप्रीम कोर्ट के रुख से साफ है कि सोशल मीडिया आज के दौर की हकीकत है और इससे बचने का प्रयास करने के बजाय इसकी मौजूदगी को स्वीकार करते हुए बेहतर तैयारी के साथ इससे पेश आने की जरूरत है।

मेक इन इंडिया पर फोकस से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर तेजी से आगे बढ़ा है। साल 2013-14 में जो Gross Value Added 17.13 लाख करोड़ रुपये था, वह 2023-24 में 38.19 लाख करोड़ रुपये हो गया। 2013-14 में रोजगार का डेटा 5.49 करोड़ था, जो 2022-23 में 6.31 करोड़ हो गया।

मेक इन इंडिया के 10 साल, हमें क्या मिला

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

संदीप वेम्पति
पत्रकार
@jagrukjanta.net

भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाओं और मेक इन इंडिया के तहत उठाए गए कदमों की वजह से भारत दुनियाभर की कंपनियों का पसंदीदा ठिकाना बन गया है। इससे देश एक ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग पावर हाउस के रूप में उभरेगा और इससे 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा करने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दशक पहले 25 सितंबर 2014 को 'मेक इन इंडिया' को लॉन्च किया था। इस पहल का उद्देश्य था भारत को ग्लोबल डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग हब में बदलना। इसके लिए सरकार ने कई सुधार किए, कई नीतियां और योजनाएं लागू कीं। बिजनेस को आसान बनाने के लिए मंजूरी से जुड़े नियमों को आसान बनाया गया, GST और IBC जैसे सुधार किए गए। नीतियों के स्तर पर कॉरपोरेट टैक्स की दर को 30% से घटाकर 22% (सरचार्ज और सेस छोड़कर) कर दिया गया। साथ ही, पूंजीगत व्यय को बढ़ाया गया, पीएम गति शक्ति और नैशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी जैसी योजनाएं शुरू की गईं।

मार्च 2024 तक सीमित समय के लिए कॉरपोरेट टैक्स रेट को घटाकर 15% (सरचार्ज और सेस छोड़कर) कर दिया गया था। ऐसा कुछ नई मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के लिए किया गया था। भारत की निर्माण क्षमता और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए साल 2020 में प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) की शुरुआत हुई। साल 2014 के बाद जो मुक्त व्यापार समझौते हुए, उनके प्रमुख उद्देश्यों में से एक मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना है। नए औद्योगिक शहरों के विकास के लिए नैशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर प्रोग्राम लॉन्च किया गया। MSME पर ध्यान दिया गया।

मेक इन इंडिया पर फोकस से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर तेजी से आगे बढ़ा है। साल 2013-14 में जो Gross Value Added 17.13 लाख करोड़ रुपये था, वह 2023-24 में 38.19 लाख करोड़ रुपये हो गया। 2013-14 में रोजगार का डेटा 5.49 करोड़ था, जो 2022-23 में 6.31 करोड़ हो गया। FDI और माल निर्यात में भी बढ़ोत्तरी हुई है। 2004 से 2014 के बीच प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 97.7 बिलियन डॉलर था और 2014 से 2024 के बीच यह 165.1 बिलियन डॉलर पहुंच गया। Merchandise E&ports 2013-14 में 314.4 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 437.06 बिलियन डॉलर हो गया। इसके अलावा, वैश्विक वस्तु निर्यात में भारत की हिस्सेदारी वित्तीय वर्ष 2024 में 1.8% हो गई, जबकि 2016-20 के दौरान यह औसतन 1.7% थी। PLI से 1.28 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ। इससे 8.5 लाख लोगों को रोजगार मिला और 10.8 लाख करोड़ का उत्पादन हुआ। देश का निर्यात चार लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का बढ़ा। भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग वित्तीय वर्ष 2017 में 48 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023 में 101 बिलियन डॉलर हो गई। इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात वित्तीय वर्ष 2018 में 6.4 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2024 में 29.1 बिलियन डॉलर हो गया। कुल निर्यात में इलेक्ट्रॉनिक सामानों की हिस्सेदारी 2.13% से बढ़कर 6.72% हो गई। भारत के रक्षा उत्पादन में 217% से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली। वित्तीय वर्ष 2014 में 0.4 लाख करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024 में यह 1.27 लाख करोड़ हो गया। रक्षा क्षेत्र में भारत अब आयातक से निर्यातक बन गया है और 90 से ज्यादा देशों को अपने रक्षा उत्पाद एक्सपोर्ट कर रहा है।

खिलौनों, वैक्सीन और रेल कोच का निर्यात भी बढ़ा है। आगे अब देश का सेमीकंडक्टर मिशन भारत में बनी चिप के निर्यात का रास्ता खोलेगा। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में यह ग्रोथ इसलिए खास है, क्योंकि दुनिया कम आर्थिक विकास और युद्ध जैसे मसलों से जूझ रही। यह कहना होगा कि मेक इन इंडिया के तहत जो उपलब्धियां हासिल हुई हैं, उनके बारे में एक दशक पहले तक सोचा भी नहीं जा सकता था। अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने इस पर और ध्यान दिया है। 2024 के बजट में FDI को आसान बनाने और विदेशी कंपनियों पर कॉरपोरेट टैक्स रेट को कम करने की घोषणा हुई है। नैशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डिवेलपमेंट प्रोग्राम के तहत 12 इंडस्ट्रियल पार्क बनाए जाएंगे। बजट में महत्वपूर्ण खनिज मिशन और समुद्र से खनिज निकालने की योजनाओं की घोषणा भी की गई। मेक इन इंडिया के अंतर्गत मोदी सरकार चिप निर्माण, बायो-मैन्युफैक्चरिंग , शिप निर्माण और स्पेस सेक्टर को बढ़ावा दे रही है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाओं और मेक इन इंडिया के तहत उठाए गए कदमों की वजह से भारत दुनियाभर की कंपनियों का पसंदीदा ठिकाना बन गया है। इससे देश एक ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग पावर हाउस के रूप में उभरेगा और इससे 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा करने में मदद मिलेगी।

(ये लेखक के अपने विचार है)

पर्यावरण का महंगाई से संबंध होता है

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

यदि आपको सितंबर की रातों में भी अपने एयर कंडीशनर की आवश्यकता महसूस होती है तो मान कर चलिए कि बाजार में अनाज, सब्जी और फल भी महंगे मिलेंगे। चूंकि आपके बिजली और खाद्य पदार्थों के बिल अधिक आयेंगे तो आप सोशल मीडिया पर महंगाई के बारे में कुछ लिखेंगे। अब आपकी पोस्ट पर सरकार के विरोधी और पक्षधर वाक युद्ध में जुट जाएंगे जिसके फलस्वरूप वास्तविक मुद्दा गुम हो जायेगा और एक कड़वाहट का माहौल पैदा हो जायेगा। ऐसा होना दुर्भाग्यपूर्ण बात है क्योंकि लोग स्थिति की विकटता से अनभिज्ञ बने रहेंगे जिसके परिणाम बहुत ही कष्टदायक हो सकते हैं। राजनीति हमारे जीवन की वास्तविकताओं को उभरने नहीं देती जिसका परिणाम करोड़ों लोगों को भुगतना पड़ता है। हमें याद रखना चाहिए कि सरकारें और राजनीतिक पार्टियां पर्यावरण से अधिक शक्तिशाली नहीं हो सकती हैं इसलिए हमारा ध्यान पर्यावरण में होने वाले परिवर्तनों पर बना रहना चाहिए।

डॉ. रामावतार शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

वैज्ञानिक पिछले कई दशकों से वैश्विक तापमान में वृद्धि की बातें कर रहे हैं पर अब इस दशक में यह वृद्धि अधिक गति पकड़ रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार 2023 में भारत का भूमि तापमान 2012 के 25.61 डिग्री सेल्सियस से बढ़ कर 2023 में 26.15 डिग्री हो गया है जबकि गर्मी के मौसम में कई स्थानों के वातावरण का तापमान 50 डिग्री को छूने लगा है। सरकारी सूचनाओं के अनुसार 2023 पिछले कोई 122 वर्षों का दूसरा सबसे गर्म साल रहा है। इस तरह की गर्मी देश में बिजली की खपत तो बढ़ाएगी ही परंतु फल, सब्जी और अनाज के उत्पादन में इतनी बड़ी बाधक बन जायेगी जिसका अंदाजा सामान्य नागरिक को अभी हो ही नहीं रहा है। इस बात का हमेशा ध्यान रहना चाहिए कि अच्छी फसल के लिए जितनी आवश्यकता पानी की होती है उतनी ही अनुकूल वातावरण की भी होती है वरना पर्याप्त मात्रा में बरसात होने के बावजूद पैदावार काफी कम हो जाती है। यही कारण है कि पर्याप्त बरसात के बावजूद 2023 और अब 2024 में फल और सब्जियों के भाव पहले की तरह मौसम परिवर्तन के साथ कम नहीं हुए। तापमान बढ़ने से पैदावार तो कम होती ही है पर साथ में कीड़े भी अधिक सक्रिय हो कर फसल को बड़ा नुकसान पहुंचा सकते हैं।

गर्मी के कारण गन्ने, चाय और कॉफी की पैदावार 20 से 30 प्रतिशत कम हुई जिसके फलस्वरूप इस वर्ष हम हर महीने इन तीनों कमोडिटी के भावों में वृद्धि देख रहे हैं। वातावरण के उच्च तापमान के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स) 2019 से लगातार बढ़ रहा है क्योंकि उत्पादन में कमी के साथ सप्लाई में भी बाधाएं उत्पन्न होती रहती हैं। खाद्य पदार्थों के भाव अब पहले की तरह मौसम से प्रभावित नहीं हो रहे हैं और तकरीबन सदैव ही उच्च स्तर की तरफ ही बने रहते हैं। इनके पीछे कितने ही मामलों में पर्यावरण में होने वाले परिवर्तन नजर आते हैं। आज सब्जी और दूध एक परिवार के घरेलू बजट को कभी भी बिगाड़ देने में सक्षम हैं जिसके कारण लोगों के जीवन में आर्थिक तनाव विकसित होने लगा है जोकि एक सामाजिक अवसाद का कारण बनता जा रहा है। सरकार नीतियां बनाती है परंतु तंत्र इतना भ्रष्ट और लापरवाह हो चुका है कि इन नीतियों की आत्मा दफ्तरों की फाइलों में ही दम तोड देती है। आम भारतीय न तो स्थिति की गंभीरता को समझता है और ना ही उसके पास कोई सामूहिक शक्ति है जिसके द्वारा वह सरकारी तंत्र और वृहद जनमानस को जगा सके। देश में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण, जल सेवन, ऊर्जा दुरुपयोग पर रोक, वैज्ञानिक कृषि का विकास, कूड़े और मलबे के पुनरुपयोग आदि पर व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। परंतु वृहद समाज तो अफीम की पिनक वाली अवस्था में है जिसे आने वाले खतरे से आगाह करना बड़ा कठिन कार्य है और जो जागरूक हैं वे अल्प संख्यक एवम् असंगठित हैं इसलिए असहाय है। लगता है इस देश की बहु संख्या, बड़े दावों के बावजूद, मानव प्रसन्नता के मापदंड पर निचली सीढ़ी पर ही जीवन गुजारेगी।

(ये लेखक के अपने विचार है)

पगडंडी

यतेन्द्र पाण्डेय
पत्रकार
@jagrukjanta.net

अच्छी थी, पगडंडी अपनी।
सड़कों पर तो जाम बहुत है।।
फुर्र हो गई फुर्सत, अबतो।
सबके पास, काम बहुत है।।
****
नहीं जरूर ,बूढ़ों की अब।
हर बच्चा, बुद्धिमान बहुत है।।
****
उजड़ गए सब बाग बगीचे।
दो गमलों में, शान बहुत है!!
****
मट्ठा, दही, नहीं खाते है।
कहते हैं जुखाम बहुत है।।
****
पीते हैं, जब चाय, तब कहीं ।
कहते हैं आराम बहुत है।।
****
बंद हो गई, चिट्ठी, पत्री ।
व्हाट्सएप पर पैगाम बहुत है।।
****
आदि है ए. सी.के इतने ।
कहते बाहर घाम बहुत है।।
****
झुके झुके, स्कूली बच्चे ।
बस्तो में सामान बहुत है।।
****
नहीं बचे, कोई सम्बन्धी।
अकड, ऐंठ, अहसान बहुत है!!
सुविधाओं का ढेर लगा है,।
पर इंसान परेशान बहुत है।।

2 अक्टूबर शास्त्री जन्म-दिवस

ईमानदारी,निष्ठा और अनुशासन के अनन्य उपासक लालबहादुर शास्त्री

आज की भारतीय राजनीति में यह अविश्वसनीय ही लगेगा इस देश में एक ऐसे ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और देश के प्रति अपना सर्वस्व त्यागने वाले लाल बहादुर शास्त्री ने अपनी जीत की पूर्ण संभावना के बाद भी यह कहा हो कि" यदि एक व्यक्ति भी मेरे विरोध में हुआ, तो उस स्थिति में प्रधानमंत्री बनना नहीं चाहूंगा", भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ऐसे ही स्वाभिमानी महान राजनेता थे, जिन्होंने पद को नहीं बल्कि देश के हित को सर्वोपरि माना था। 27 मई 1964 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद देश को साहस और निर्भीकता से नेतृत्व देने वाले नेता की परम आवश्यकता थी। मोरारजी देसाई तथा जगजीवन राम जैसे नेता सामने आए थे, इस पद की गरिमा और प्रजातांत्रिक मूल्यों को देखते हुए शास्त्री जी ने चुनाव में भाग लेने से इनकार कर दिया था। 2 जून 1964 को कांग्रेस के संसदीय दल ने एक मतेन और सर्वसम्मति से लाल बहादुर शास्त्री को अपना नेता स्वीकार किया और 9 जून 1964 को लाल बहादुर शास्त्री जी को देश का दूसरा प्रधानमंत्री मनोनीत किया गया। 1920 को अपनी पढ़ाई छोड़ कर गांधीजी के असहयोग आंदोलन में भाग लेने के लिए वे स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े, बाद में गांधी जी की प्रेरणा से ही उन्होंने काशी विद्या पीठ में प्रवेश लेकर 1925 में शास्त्री की उपाधि प्राप्त की, और अपने जन्म से चला आरहा जातिसूचक शब्द "श्रीवास्तव" हमेशा के लिए हटा लिया तथा अपने नाम के आगे शास्त्री लगा दिया था। इसके उपरांत अपने को देश की सेवा में न्योछावर कर दिया। अपना पूरा बचपन संघर्षों से गुजारने के बाद शास्त्री जी एक तपे हुए इमानदार राजनेता की तरह उभरे। 1930 में स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए चलाए जा रहे नमक आंदोलन में हिस्सा लेकर वे जेल चले गए। उनका देश के प्रति समर्पण देखकर उन्हें उत्तर प्रदेश कांग्रेस का महासचिव बनाया गया।

नगेन्द्र वशिष्ठ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

अनाहत शब्द प्रणव ओंकार की ध्वनि है। परब्रह्म से आती है। योगी इसे सुनते हैं। संसारी विषयी जीवों को यह ध्वनि सुनाई नहीं पड़ती। योगी जानते हैं यह ध्वनि एक ओर नाभि कमल से उठती है, दूसरी ओर क्षीर सिंधुयामी परब्रह्म से। और भी अनेक प्रकार के ध्यान और साधनाएं हैं जो गुरु कृपा से सुलभ हो सकती है। योग के अनुसार शरीर में 6 चक्र हैं। लिंग स्थान में मूलाधार, गुह्य स्थान में स्वाधिष्ठान, नाभि में मणिपुर, हृदय में अनाहत, कंठ में विशुद्ध, भृकुटी मध्य में आज्ञा चक्र। कुण्डलिनी शक्ति जब साधना के प्रयोगों द्वारा जागती है तो वह पहले तीनों चक्रों को पार करती हुई हृदय के अनाहत चक्र में आकर विश्राम करती है। जब पहले तीनों चक्रों से मन हट जाता है तब ज्योति के दर्शन होते हैं। हृदय की अनाहत भूमि से कुण्डलिनी कँठ में स्थित विशुद्ध चक्र में प्रवेश करती है, तब केवल ईश्वरी प्रसंग कहने और सुनने के लिए प्राण व्याकुल होते हैं। विषय भोग की बातों से मन में बड़ा कष्ट होता है। इसके बाद भृकुटि के मध्य में स्थित आज्ञा चक्र में कुण्डलिनी के प्रवेश करने पर ईश्वर रूप के दर्शन होते हैं। परन्तु फिर भी ओट रह जाती है जैसे शीशे के भीतर की चीज दिखाई देती हो। यहां परदा रहता है, ईश्वर को पकड़ नहीं सकते। क्रमशः

ओपिनियन

एक्शन मिलावटी तो खाना शुद्ध कैसे मिलेगा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बड़े मंदिरों में प्रवेश के पहले श्रद्धालुओं से चमड़े की बेल्ट और पर्स तक बाहर रखवा लिया जाता है, ऐसे में जब तिरुपति बालाजी मंदिर में चढ़ने वाले लड्डुओं में चर्बी की मिलावट की खबर आई तो बवेला मचना लाजिमी था। इस मामले में यह हैरानी हो सकती है कि अब मंदिर का प्रसाद भी नहीं बचा, लेकिन कम से कम देश में मिलावट को लेकर कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए। यह ऐसा खुला सच है, जिसके बारे में जानते सभी हैं, लेकिन बोलता कोई नहीं। घातक पेस्टिसाइड्स से लेकर सड़े-गले अनाज और ईंट-मिट्टी तक, यह पूछिए कि क्या वह चीज नहीं है, जिसे मिलावटखोर रंग-पोत कर हमारे सामने नहीं परोस रहे।

शैलेंद्र पांडेय
पत्रकार
@jagrukjanta.net

तिरुपति मंदिर के लड्डुओं में चर्बी मिलने की मिलने की बात कही जा रही है। सरकार ने उन वेंडर्स से घी लेना बंद कर दिया है, जो अभी तक सप्लाई कर रहे थे। जांच पर रोक लग गई, लेकिन राजनीति चल रही है। घटना ने तमाम दूसरे मंदिरों में चढ़ रहे प्रसाद को लेकर भी जनता के मन में संशय डाल दिया है। लेकिन, सवाल केवल प्रसाद को लेकर नहीं, बल्कि बाजार में बिक रहे तमाम खाद्य पदार्थों को लेकर होना चाहिए। देश में बात होती है भूमाफिया, कालाबाजारियों, भ्रष्टाचारियों और आर्थिक घोटाले करने वालों की, लेकिन हकीकत में मिलावटखोरों का नेटवर्क भी इतना ही बड़ा है। एक संगठित अपराध की तरह इस काम को अंजाम दिया जा रहा, जिससे देश का कोई हिस्सा बचा नहीं रहा है। हाल ही में स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी ने कई देशों के खाद्य पदार्थों में घातक मेटल लेड क्रोमेट की मौजूदगी को लेकर स्टडी की। भारत के 17 शहरों से सैंपल लिए गए थे और 14% में यह घातक तत्व मिला। गुवाहाटी और चेन्नै से लिए नमूनों में इसकी मात्रा सबसे ज्यादा थी। आपको याद होगा कि कुछ दिनों पहले दिल्ली में 15 टन नकली मसाला पकड़ा गया था। इन मसालों को सड़े हुए चावल, लकड़ी के बुरादे, चोकर, सिट्रिक एसिड वगैरह से तैयार किया गया था। और उसी दौरान सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग से रिपोर्ट आई थी कि भारतीय ब्रैंड के कुछ मसालों की लॉट स्थानीय मानक के अनुरूप नहीं पाई गई।

तिरुपति विवाद ने भक्तों की आस्था को चोट पहुंचाई है। मसला इससे भी बड़ा, स्वास्थ्य का है। जो चीजें वाकई जहर हैं, मिलावटखोर उन्हें भी खाने-पीने की चीजों में मिलाने से बाज नहीं आते। हल्दी की चमक को बढ़ाने के लिए लेड का इस्तेमाल होता है। पुराने आलू को एसिड से धो देते हैं ताकि वह नया लगे और महंगा बिके। सब्जियों और अनाज पर रंग चढ़ाया जाता है और दूध में डिटर्जेंट पाउडर घोला जाता है। 2016 में संसद में यह जानकारी दी गई थी हर 3 में से 2 भारतीय मिलावटी दूध पी रहा है और मिलावट भी किसकी, कास्टिक सोडा, डिटर्जेंट, यूरिया और पेंट की। संसद में ही पिछले साल अगस्त में 2022-2023 में हुई जांच के हवाले से बताया गया था कि 25% नमूने मिलावटी मिले। मतलब कि हर चौथा शख्स 'जहर' खा रहा है। फेस्टिवल सीजन आ रहा है। इस दौरान अचानक नकली मावा, मिठाइयां, घी वगैरह पकड़े जाने की खबरें बढ़ जाएंगी। ऐसी खबरें पिछले साल भी पढ़ी होंगी और गारंटी है कि अगले साल फिर पढ़ेंगे। वजह है कि मिलावटखोरी का धंधा जितना संगठित है, इसके खिलाफ होने वाली कार्रवाई उतनी संगठित नहीं। आमतौर पर यह होता है कि किसी बड़ी घटना के बाद या त्योहारों में रैंडम सैंपलिंग और चेकिंग का मौसम चलता है, फिर सब शांत हो जाता है। मिलावट को जड़ से खत्म करने के लिए कभी ऑपरेशन नहीं चल पाता। इसकी एक वजह संसाधनों की कमी तो है, लेकिन ये कार्रवाइयां कई बार खुद 'मिलावटी' होती हैं। तो जब तक शुद्ध एक्शन नहीं होता, तब तक शुद्ध घी भूल जाइए।

(ये विचार लेखक के अपने हैं)

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

गौरवी डॉटर-प्रतिभा, चेतेन्द्र मिश्रा, जयपुर

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

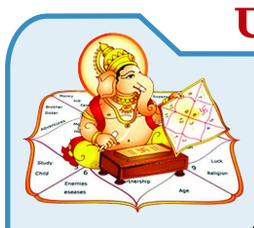

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 02/10/2024

सूर्योदयः 06:23 **सूर्यास्त :** 18:08 **चन्द्रोदय :** 05:46 **चन्द्रास्त :** 17:59 **शक सम्वत :** 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना :** भाद्रपद **पूर्णिमांत :** आश्विन **सूर्य राशि :** कन्या **चन्द्र राशि :** कन्या **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** अमावस्या, 24:18 तक **वार :** बुधवार **चन्द्रमास आश्विन :** पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत :** 2081 पिङ्गल **भाद्रपद :** अमान्त **गुजराती सम्वत :** 2080 राक्षस

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : उत्तर फाल्गुनी, 12:17 तक
योग : ब्रह्मा, 27:11 तक
प्रथम करण : चतुष्पदा, 10:59 तक
द्वितिय करण : नागा, 24:18 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:38 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:02 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:09 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:06 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:06 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	12:23 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:46 पी एम से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : दक्षिण
कुंभ चक्रः कण्ठ

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:22 - 07:50	उद्वेग	: 18:07 - 19:39
अमृत	: 07:50 - 09:18	शुभ	: 19:39 - 21:11
काल काल वेला	: 09:18 - 10:47	अमृत	: 21:11 - 22:43
शुभ	: 10:47 - 12:15	चर	: 22:43 - 00:15
रोग वार वेला	: 12:15 - 13:43	रोग	: 00:15 - 01:47
उद्वेग	: 13:43 - 15:11	काल	: 01:47 - 03:19
चर	: 15:11 - 16:39	लाभ	: 03:19 - 04:51
लाभ	: 16:39 - 18:07	उद्वेग	: 04:51 - 06:23

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज अमावस्या

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी रिक्ता तिथियां हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आश्विन, कृष्ण, अमावस्या, 2081 बुधवार, 02 अक्टूबर - 08 अक्टूबर, 2024

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ
सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो
धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह
शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो
प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी पर संयम रखें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। बेवजह किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू
पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे
किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है।

मकर भो, जा,जी, खा, खू, गा, गी,
कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा
मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

अब कैंसर का खेल खत्म! सिर्फ एक बार में ही ट्यूमर का सफाया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में अब अत्याधुनिक रेडियो थेरेपी मशीन से कैंसर रोगियों को विश्व स्तरीय उपचार मिल सकेगा। यह मशीन बेहद कम समय में कैंसर ट्यूमर खत्म कर देती हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में स्थापित की गई लीनियर एक्सेलरेटर मशीनों और सीटी सिम्युलेटर मशीन का गुरूवार को लोकार्पण किया। प्रदेश में रेडियोथेरेपी की यह नवीनतम मशीनें हैं। इस अवसर पर चिकित्सा मंत्री ने बताया कि करीब 54 करोड़ रूपए की लागत से स्थापित इन अत्याधुनिक मशीनों के प्रारंभ होने से ब्रेस्ट, लंग, हैड और नेक कैंसर की जांच एवं उपचार में बड़ी मदद मिलेगी। लाखों रुपए खर्च कर होने वाला उपचार यहां निःशुल्क प्राप्त हो सकेगा। इन मशीनों से ट्यूमर का पता लगाने एवं रेडियोथेरेपी में सटीकता आएगी तथा कैंसर रोगियों को विश्वस्तरीय उपचार मिल सकेगा।

फोकस रेडिएशन से त्वरित उपचार

स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के अधीक्षक डॉ. संदीप जसूजा ने बताया कि रेडियोथेरेपी की ये लीनियर एक्सेलरेटर मशीनें कहीं अधिक फोकस रेडिएशन एक्सपोजर देती हैं जिससे ट्रीटमेंट टाइम बहुत कम हो गया है और इलाज भी आसान हो गया है। नवीनतम मशीनें स्टीरियो टैक्सी सर्जरी कर सकती हैं जिससे एक ही बार में ट्यूमर खत्म हो सकता है। साथ ही आसपास के कैंसर सेल्स भी खत्म हो जाते हैं। इसमें रेडिएशन का पूरा प्रोसीजर 2 मिनट में खत्म हो जाता है। पहले की तरह रेडियोथेरेपी कराने वाले मरीजों में त्वचा पर कालापन आने और दूसरे साइड इफेक्ट्स इस मशीन से नहीं होंगे। इसका सबसे बड़ा फायदा यह रहेगा कि रेडिएशन एक्सपोजर के समय आसपास के अंगों को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचेगा।

मरीज के इलाज से पहले मशीन में होगी वर्चुअल प्लानिंग

नई सीटी सिम्युलेटर मशीन से मरीज को स्कैन कर उसके ट्रीटमेंट की प्लानिंग सॉफ्टवेयर में ही वर्चुअली ही की जा सकेगी। इससे इलाज और ज्यादा सटीक हो जाएगा और इलाज के दौरान होने वाली जटिलता का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा। ये सभी मशीनें शुक्रवार से सेवाएं देना शुरू कर देंगी। पूरे देश में कुछ ही सेंटर्स पर ऐसी तकनीक उपलब्ध है।

लोक कल्याण और सुशासन की पर्याय थी अहिल्याबाई होळकर-राज्यपाल बागडे

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अहिल्याबाई होळकर युग प्रवर्तक ऐसी नारी थी जिन्होंने देश में लोक कल्याणकारी सुशासन की नींव ही नहीं रखी, भारतीय अध्यात्म और धर्म की परम्परा को भी निरंतर पोषित किया। उन्होंने अहिल्याबाई को दूरदर्शी और प्रजा हित में शासन करने वाली देश की ऐसी महिला शासक बताया जिन्होंने भारतीय संस्कृति और अध्यात्म के मूल्यों का भी जन–जन में प्रसार किया। बागडे मंगलवार को पुणे में एस.एन.डी.टी. महाविद्यालय में अहिल्याबाई होळकर की 300 वीं जयंती पर आयोजित 'मातोश्री अहिल्याबाई का लोक कल्याणकारी सुशासन' विषयक परिचर्चा में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अहिल्याबाई होळकर की मां नर्मदा के प्रति श्रद्धा के कारण उसके निकट महेश्वर को अपनी राजधानी बनाने, वहां पर प्रजा को संतान की तरह मानते हुए उनके लिए जन–कल्याण का कार्यों की चर्चा करते हुए उनके सुशासन से सीख लेने का आह्वान किया।

गांधी वाटिका आज से होगी शुरू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग रवि जैन ने बताया कि गांधी वाटिका (गांधी दर्शन म्यूजियम) का संचालन 02 अक्टूबर 2024 (गांधी जयन्ती) से कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा प्रारम्भ किया जा रहा है। शासन सचिव ने बताया कि गांधी वाटिका (गांधी दर्शन म्यूजियम) 02 अक्टूबर (गांधी जयन्ती) से प्रातः 10.00 बजे से सांय 05.00 बजे तक पर्यटकों के लिये खुला रहेगा। म्यूजियम माह अक्टूबर, 2024 में निःशुल्क रहेगा। शासन सचिव ने बताया कि गांधी वाटिका में गांधी जी के बचपन, उनकी जीवन यात्रा, दक्षिण अफ्रीका यात्रा, सत्याग्रह, भारत छोड़ो आन्दोलन, चौरी-चोरा आन्दोलन इत्यादि को दर्शाया गया है। गांधी वाटिका विद्यार्थियों एवं पर्यटकों के लिये एक आकर्षण का केन्द्र रहेंगी।

अक्टूबर में छुट्टियों की भरमार, 2, 3 और 11-12-13 को रहेगा अवकाश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के लोगों को सितंबर महीने के बाद अब अक्टूबर माह में भी बंपर छुट्टियों का तोहफा मिलने वाला है। सरकारी कैलेंडर की मानें तो अक्टूबर महीने में कुल 12 दिनों की छुट्टी मिलेगी। इसमें शनिवार और रविवार भी शामिल हैं। अक्टूबर का पहला सार्वजनिक अवकाश 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर रहेगा। इसके बाद 3 अक्टूबर को नवरात्रि स्थापना और महाराजा अग्रसेन जयंती पर अवकाश रहेगा। इस दिन बैंक, सरकारी कार्यालय, स्कूल और कॉलेज बंद रहेंगे।

लगातार 3 दिन की छुट्टी

इसके बाद राजस्थान में 5 और 6 अक्टूबर को भी शनिवार और रविवार होने के चलते सरकारी कार्यालयों और स्कूलों में अवकाश रहेगा। 11 अक्टूबर को दुर्गाष्टमी का अवकाश रहेगा। वहीं 12 अक्टूबर 2024 को विजयदशमी के चलते सभी सरकारी दफ्तरों, बैंकों, स्कूल-कॉलेजों की छुट्टी रहेगी। वहीं 13 अक्टूबर को रविवार की छुट्टी रहेगी। ऐसे में तीन दिनों तक लगातार अवकाश रहेगा। इस दौरान आप कहीं बाहर जाने का भी प्लान बना सकते हैं। वहीं 19 और 20 अक्टूबर को शनिवार और रविवार होने चलते सरकारी कार्यालयों और स्कूलों में छुट्टी रहेगी। 26 अक्टूबर को चौथा शनिवार है। ऐसे में इस दिन बैंक भी बंद रहेंगे। वहीं 27 अक्टूबर 2024 को रविवार का अवकाश रहेगा। 31 अक्टूबर को नरक चतुर्दशी और दिवाली होने चलते अवकाश रहेगा।

इस बार दीपोत्सव छह दिन, 31 दिवाली, 2 को अन्नकूट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। दिवाली में लगभग एक माह शेष है, लेकिन हिंदू पंचागों और सरकारी कैलेंडर में अवकाश को लेकर मतभेद से लोग असमंजस में हैं। दरअसल, केंद्र और राज्य सरकार के कैलेंडर में दिवाली का अवकाश 31 अक्टूबर को है, जबकि राजस्थान, दिल्ली, पंजाब और मध्यप्रदेश के ज्योतिषीय पंचागों में दिवाली का पर्व एक नवंबर को बताया है। हालांकि, कुछ पंचांगों में 31 अक्टूबर को दिवाली की जानकारी से असमंजस की स्थिति बनी है। ज्योतिष विधा के जानकारों के अनुसार प्रदोष काल में दो दिन अमावस्या रहने पर दूसरे दिन (सूर्योदय से शाम तक अमावस्या) ही दीपोत्सव मनाना व लक्ष्मी पूजन शास्त्र समत माना गया है। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि दिवाली का कर्म काल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर प्रदोष काल (शाम के समय) में बताया है। धर्मसिंधु ग्रंथ के अनुसार यदि अमावस्या प्रदोष काल में दो दिन रहती है तो दूसरे दिन सूर्योदय से शाम तक अमावस्या के दौरान प्रदोष काल में दीपोत्सव मनाने के साथ ही लक्ष्मी पूजन भी किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि इस बार अमावस्या 31 अक्टूबर की दोपहर 3.53 बजे से शुरू होकर एक नवंबर की शाम 6.17 बजे तक रहेगी। ऐसे में अमावस्या के दौरान दो दिन प्रदोष काल रहेगा। सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त के बाद एक घड़ी से अधिक अमावस्या होने पर वह पर्व मनाया जा सकता है। एक नवंबर को जयपुर में सूर्यास्त शाम 5.40 बजे होगा। इसके बाद करीब 37 मिनट तक अमावस्या रहेगी।

ये रहेगी तिथियां

त्रयोदशी तिथि : 29 अक्टूबर की सुबह 10.32 से 30 अक्टूबर की दोपहर 1.16 बजे
चतुर्दशी तिथि : 30 अक्टूबर की दोपहर 1.16 से 31 अक्टूबर की दोपहर 3.53 बजे तक
अमावस्या : 31 अक्टूबर की दोपहर 3.53 बजे से एक नवंबर की शाम 6.17 बजे तक
बनारस के पंचांगों के साथ केरल, महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में 31 अक्टूबर को दिवाली बताई। धर्म के लिहाज से एक नवंबर को दिवाली रहेगी।
(सरकारी कैलेंडर में 31 अक्टूबर को दिवाली, दो नवंबर को अन्नकूट और तीन को भाईदूज का पर्व बताया है)

रायड़ा प्रतिनिधिमंडल ने की चिन्मय गोपाल से मुलाकात

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान एग्रीकल्चरल इनपुट डीलर्स एसोसिएशन जयपुर (रायडा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने बीते दिनों नवनियुक्त कृषि सुश्री चिन्मय गोपाल IAS से मुलाकात कर उनके आयुक्त पद पर नियुक्त होने पर हार्दिक स्वागत किया। इस दौरान मंडल ने कृषि आदान व्यापार में आ रही समस्याओं पर खुलकर विस्तृत चर्चा की। इस पर आयुक्त ने शीघ्र ही समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल मे पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, अनिल मेहता, प्रमोद शर्मा, अभय शारदा, सत्य प्रकाश शर्मा, राजीव खंडेलवाल व दौसा से नरोतम खण्डेलवाल शामिल थे।धन्यवाद। आप सभी से अनुरोध है कि शीघ्र कार्रवाई करवाने हेतु अपने अपने जिले की समस्याओ को जिला संगठन के लेटर पैड पर लिखकर शीघ्र भिजवाए या मेल करावे raidarajasthan@gmail.com ताकी सभी सुझावो को सम्मिलित कर प्रतिवेदन बनाया जा सके।

स्वर्णकार समाज के रक्तदान शिविर में 600 यूनिट रक्त एकत्र

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। स्वर्णकार समाज, जयपुर की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें करीब 600 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस शिविर में एसएसडी परिवार के सदस्यों की ओर से 116 यूनिट रक्तदान किया गया, जो आयोजन की बड़ी उपलब्धि रही। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। समाज के लोगों ने बड़े हर्ष और गर्व के साथ इस महत्वपूर्ण सामाजिक पहल में भाग लिया। आयोजन के अंत में, सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया गया और उन्हें प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस शिविर ने समाज में रक्तदान के महत्व को रेखांकित किया और लोगों में सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को प्रबल किया।

एचजेयू में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू) में मंगलवार को अकादमिक सत्र 2024-25 के नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 'दीक्षारंभ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ पत्रकार प्रताप राव उपस्थित रहे। प्रताप राव ने पत्रकारिता और मीडिया उद्योग में आ रहे बदलावों के बारे में विद्यार्थियों से विचार साझा किये और कहा कि लोकतंत्र में चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया को मिली भूमिका बखूबी निभाने के लिए पत्रकारों को सजग रहना होगा। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि उद्देश्यपूर्ण पत्रकारिता के बिना कोई भी पत्रकार समाज और जनता की आवाज़ नहीं बन सकता। आज पत्रकारिता के पेशेवर मानकों में गिरावट आने के कारण पत्रकारों की प्रतिष्ठा भी घट रही है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र और संस्कृति के बड़े लक्ष्यों को ध्यान में रखकर पत्रकारिता करनी होगी तभी पत्रकारिता की पेशेवर गिरावट को रोका जा सकता है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलसचिव भंवर लाल मेहेरडा ने कहा की जीवन में गंभीरता और अनुशासन के माध्यम से कठिन से कठिन लक्ष्य को भी हासिल किया जा सकता है।

पाली जिला समीक्षा बैठक में संवाद

भाजपा कार्यकर्ताओं को आमजन में राष्ट्र चरित्र जागरूक करने का प्रदान कर रही है अवसर- मदन राठौड़

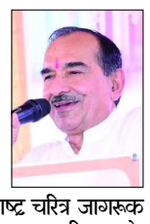

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पाली जिले की समीक्षा बैठक में कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि भाजपा कार्यकर्ताओं को आमजन में राष्ट्र चरित्र जागरूक करने का अवसर प्रदान कर रही है। पाली के निवासी राष्ट्र भक्ति में तो प्रसिद्ध है, अब भाजपा परिवार की सदस्यता ग्रहण कर राष्ट्र चरित्र जागरूक करने की दिशा में भी कदम बढ़ाना है। सदस्यता अभियान के तहत 17 सितंबर से शुरू किए गए सेवा पखवाडे का समापन और "महा सदस्यता अभियान" बुधवार 2 अक्टूबर को प्रदेशभर में मनाया जाएगा। ऐसे में हम सभी को गांधी जयंती के अवसर पर महा सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक संख्या में आमजन को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवानी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने समीक्षा बैठक में पाली जिला भाजपा नेताओं से कहा कि आज सदस्यता अभियान में की गई मेहनत कल आपके काम आएगी। भाजपा एक नेता को जन-जन से जुड़ने का बेहतरीन अवसर प्रदान कर रही है। जिलाध्यक्ष से लेकर मंडल-बूथ स्तर के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करें और भाजपा सरकार की नीतियों को बताते हुए सदस्यता ग्रहण करवाएंगे तो लक्ष्य पूरा होगा ही, साथ ही आमजन का आप से सीधा संपर्क होगा।

त्योहारों से पहले यात्रियों के लिए अच्छी खबर

गुलाबीनगरी से रेलवे चलाएगा 56 स्पेशल ट्रेन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों को कंफर्म सीट मिल सके, इसके लिए रेलवे स्पेशल ट्रेनों का संचालन करेगा। साथ ही रूटीन ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि लंबी दूरी की कई ट्रेनों में बढ़ रही वेटिंग लिस्ट के चलते रेलवे ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। अक्टूबर माह में जयपुर से बांद्रा टर्मिनस, रांची, आसनसोल, हावड़ा, टनकपुर, गोरखपुर, पटना, सोलापुर, हरिद्वार, हैदराबाद समेत कई शहरों के लिए कुल 56 स्पेशल ट्रेनें संचालित की जाएंगी। साथ ही रुटीन संचालित ट्रेनों में 115 अतिरिक्त कोच भी जोड़े जाएंगे। बता दें कि भारतीय रेलवे हर साल त्योहारों के समय यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए स्पेशल ट्रेनों का संचालन करता है। ऐसे में दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के अवसर पर यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे ने स्पेशल ट्रेनें चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। यात्रियों के लिए अच्छी बात ये है कि कन्फर्म सीट के साथ–साथ उनकी यात्रा सफल और सुगम होगी।

जयपुर से संचालित होगी 56 स्पेशल ट्रेन

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के मुताबिक हर साल दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा के अवसर पर जयपुर से बड़ी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल की ओर प्रस्थान करते हैं। हर साल त्योहारों के दौरान यात्रियों की भीड़ की वजह से अधिकांश ट्रेनों में दो-तीन महीने पहले से ही टिकट वेटिंग लिस्ट में चली जाती हैं। इसी को देखते हुए रेलवे की ओर से अक्टूबर माह में जयपुर से सभी रूटों पर कुल 56 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसके अलावा लंबी दूरी की ट्रेनों में 115 अतिरिक्त कोच भी जोड़े जाएंगे।

इन रूट्स पर चलेंगी स्पेशल ट्रेन

रेलवे की ओर से अक्टूबर माह में जयपुर से बांद्रा टर्मिनस, रांची, आसनसोल, हावड़ा, टनकपुर, गोरखपुर, पटना, महू, सोलापुर, हरिद्वार, दौंड, संतरागाछी, डिब्रूगढ़, श्री माता वैष्णो देवी कटरा, तिरुपति, काचीगुड़ा, हैदराबाद, गौहाटी कोयम्बटूर सहित कई शहरों के लिए स्पेशल ट्रेनें संचालित की जाएगी।

प्रदर्शनियों से नवाचारों को प्रोत्साहन मिलता है-गुप्ता

विज्ञान और गणित प्रदर्शनी आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। केशव विद्यापीठ समिति जामडोली द्वारा संचालित ब्रह्मचारी श्री रामानुजाचार्य कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान और गणित प्रदर्शनी का आयोजन बीते दिनों किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन समिति के अध्यक्ष ओ.पी. गुप्ता ने किया। इस दौरान बालिकाओं द्वारा गैस रिसाव रोकना, अपशिष्ट प्रबंधन, चन्द्रयान, प्रदूषण नियंत्रण, सौर ऊर्जा, जल संग्रहण एवं लेजर सुरक्षा से संबंधित लगभग 30 प्रकार के प्रादर्श बनाए गए। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए गुप्ता ने बताया कि बालिकाओं में क्रिया आधारित अध्ययन, अनवेषण एवं संश्लेषण की प्रकृति का विकास करती है, तथा वैज्ञानिक नवाचारों को प्रोत्साहन करती है। इस अवसर पर परिसर स्थित संस्थानों के पदाधिकारी एवं विद्यालय प्रधानाचार्य संतोष कुमार शर्मा एवं स्थानीय विद्यालय के आचार्य बंधु, भगिनी उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में क्षेत्र के 15 विद्यालय के 1000 भैया-बहिन पहुंचे।

जांच से पहले मिलावट बताने पर CM नायडू को घेरा

लड्डू विवाद पर कोर्ट ने कहा- भगवान को राजनीति से दूर रखें

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

तिरुपति के लड्डू प्रसादम् विवाद पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि कम से कम भगवान को तो राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। अदालत ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के इस दावे पर सवाल उठाया कि तिरुपति के लड्डू बनाने में जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल किया गया था और इसका सबूत मांगा। कहा कि यह साबित करने के लिए अभी तक कोई निर्णायक सबूत नहीं है कि प्रसाद की तैयारी में दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था।

जस्टिस बी. आर. गवई और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि मुख्यमंत्री ने 18 सितंबर को दावा किया, जबकि मामले में FIR 25 सितंबर को दर्ज की गई थी और 26 सितंबर को जांच के लिए एक SIT बनाई गई है। लड्डू पर नायडू की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर सवाल उठाते हुए बेंच ने यह भी कहा कि एक ऊंचे संवैधानिक पद पर बैठे अधिकारी के लिए सार्वजनिक रूप से ऐसा बयान देना उचित नहीं है जो करोड़ों लोगों की भावनाओं को प्रभावित कर सकता है। जब SIT बनाने का आदेश दिया गया था तो प्रेस में जाने और सार्वजनिक बयान देने की क्या जरूरत थी? जब तक सबूत नहीं थे, तो आप जनता के पास कैसे गए? जांच का मकसद क्या था? दरअसल, CM नायडू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया था कि पिछली जगन सरकार के दौरान तिरुपति के लड्डू प्रसाद में कथित तौर पर चर्बी की मिलावट की गई थी।

- कहा- अभी इसका सबूत नहीं है कि दूषित घी का इस्तेमाल हुआ
- सबूत से पहले CM ने जनता के बीच में बयान कैसे दिया
- यह सही नहीं है, इससे लोगों की भावनाओं पर असर हो सकता है

कोर्ट ने पूछा- क्या स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराएं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह सही होगा अगर सॉलिसिटर जनरल इस पर हमारी मदद करें कि क्या राज्य की SIT जांच जारी रहनी चाहिए या इसे एक स्वतंत्र एजेंसी को सौंप देना चाहिए। कोर्ट ने नियुक्त SIT को जांच आगे न बढ़ाने को भी कहा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह आस्था का मामला है। अगर दूषित घी का इस्तेमाल किया गया है तो यह अस्वीकार्य है। अगली सुनवाई अब 3 अक्टूबर को होगी।

TTD ने कहा, मिलावट की शिकायतें मिली थीं

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (TTD) की ओर से पेश वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि लड्डू की क्वॉलिटी और संभावित मिलावट से जुड़ी कुछ शिकायतें थीं। उन्होंने यह भी कहा कि नैशनल डेयरी डिवेलपमेंट बोर्ड की लैब रिपोर्ट में मिलावट का पता चला है। यह किस तरह की मिलावट है इसकी जांच की जा रही है। बेंच ने कहा कि रिपोर्ट से यह साफ नहीं है कि यह वही मिलावटी घी है।

महाराष्ट्र में स्वदेशी गाय को राजमाता-गौमाता का दर्जा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय संस्कृति, कृषि और स्वास्थ्य देखभाल में स्वदेशी गाय के महत्व को देखते हुए इसे औपचारिक रूप से 'राजमाता-गौमाता' का दर्जा दिया है। इसकी घोषणा करते हुए सरकार ने कहा कि स्वदेशी गाय को भारतीय संस्कृति में वैदिक काल से ही महत्वपूर्ण स्थान हासिल है। इसका महत्व न केवल धार्मिक है, बल्कि चिकित्सा और कृषि में भी इसके कई फायदे देखने को मिले हैं। गाय का दूध अपने उच्च पोषण मूल्य के कारण मानव आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मराठवाडा में देवरी और ललकानारी व उत्तरी महाराष्ट्र में डांगी और शवदाभ जैसी विभिन्न देशी नस्ल की गायें पाई जाती हैं।

गौमाता बनेगी राष्ट्र माता, गौशालाएं बनेंगी राज्य अर्थव्यवस्था की आधार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान गो सेवा आयोग एवं अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के संयुक्त तत्वाधान में गौशाला संचालकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जैविक वन औषधीय पादप केंद्र, टोंक रोड, जयपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ गौपालन मंत्री जोराराम कुमावत, निदेशक गो पालन विभाग प्रह्लाद नागा जी, डॉ अतुल गुप्ता, डॉ अनीता अग्रवाल, व मोनिका गुप्ता के कर कमलों से दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर गोपालन मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार में गौशालाओं की सुचारू संचालन हेतु कई बुनियादी मांगों को दृष्टिगत रखते हुए बिना स्वयं की भूमि पर भी गौशाला संचालन हेतु अनुमति प्रदान की जाएगी। गौशालाओं हेतु विभिन्न बीमा योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया। मंत्री ने प्रदेश के प्रथम गौ अभ्यारण को भी हरी झंडी दिखाते हुए ऐसे नवाचारों को प्रथम पंक्ति में लेन के लिए प्रोत्साहित किया।

विद्यार्थियों के बैग पाकर खिले चेहरे

» जागरूक जनता @ जयपुर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आशावाला सांगानेर में साहित्य मंच टोंक की ओर से विद्यार्थियों को बैग वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नवीन जैन सचिव वित्त विभाग द्वारा विद्यार्थियों को माता-पिता का महत्व और उनके प्रति आदरभाव व जीवन में कृतज्ञ बनने जैसे प्रेरणादायक वक्तव्य प्रदान किया। भामाशाह ओम प्रकाश जैन ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व व शिक्षा से हमारा विकास के बारे में बताया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी डॉ. राजेन्द्र बंसल ने विद्यार्थियों को त्याग, सेवा व उदारता के गुणों की महत्ता बताई। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डॉ. मुनमुन शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एनआईए में हिंदी पखवाड़ा आयोजित

» जागरूक जनता @ जयपुर। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। संस्थान में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन 14 सितंबर से 30 सितंबर तक किया गया जिसमें संस्थान के शिक्षकों, चिकित्सकों, कर्मचारी, विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने कहा संस्थान के सरकारी कार्यों में हिंदी भाषा का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है, जिसके लिए हमें नगर राजभाषा समिति जयपुर के स्तर पर राजभाषा का प्रथम पुरस्कार भी मिला है। हिंदी भाषा के महत्व को समझते और उसके विकास के लिए हम सभी को अपने कार्यों में हिंदी भाषा का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।

सिद्धारमैया पर ED केस, पत्नी 14 प्लॉट छोड़ेंगी

नई दिल्ली : मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (MUDA) में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े केस में कर्नाटक के CM सिद्धारमैया पर सोमवार को ED ने भी केस दर्ज कर लिया। ED ने केस दर्ज करने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट की धाराएं लगाई हैं।

लोकायुक्त पुलिस भी FIR दर्ज कर चुकी है। इस केस में उनकी पत्नी पार्वती का नाम भी शामिल है। पार्वती ने ऐलान किया है कि वह MUDA से जुड़ीं 14 विवादित साइट वापस लौटाएंगी।

वित्त मंत्री निर्मला के खिलाफ जांच हाई कोर्ट ने रोकी

बेंगलुरु : कर्नाटक हाई कोर्ट ने सोमवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ चुनावी बॉण्ड योजना से जुड़े आरोपों की जांच पर रोक लगा दी। बीजेपी नेता नलिन कुमार कटील ने उन्हें आरोपी के रूप में नामजद करने वाली FIR को चुनौती दी थी। अगली सुनवाई 22 अक्टूबर को होगी। एक शिकायत के बाद बेंगलुरु की विशेष अदालत के निर्देश पर शनिवार को केस दर्ज किया गया था।

जोबनेर की सुनीता चौधरी ने राष्ट्रीय स्तर पर चौथी रैंक हासिल कर आईएआरआई, नई दिल्ली में पाया दाखिला

» जागरूक जनता @ जयपुर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर की छात्रा सुनीता चौधरी ने पूरे भारत में कैटेगरी में चौथी रैंक हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। इस शानदार उपलब्धि के बाद, उन्हें देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईएआरआई, नई दिल्ली के कृषि प्रसार शिक्षा विभाग में दाखिला मिला है। उनकी इस सफलता पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

श्रेष्ठ परिणाम देने वाले आगार/कर्मचारी पुरस्कृत

» जागरूक जनता @ जयपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम का 61वां स्थापना दिवस निगम मुख्यालय में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यालय में श्री गणेशजी की पूजा अर्चाना के साथ हुई। प्रबन्ध निदेशक द्वारा निगम की गतिविधियों एवं वर्तमान परिस्थितियों से सभी को अवगत करवाते हुए प्रबन्धन के स्तर से किये जा रहे नवाचारों की जानकारी दी गई। शुभ्रा सिंह, अध्यक्ष द्वारा वर्ष 2023-24 के दौरान श्रेष्ठ संचालन देने वाले डूंगरपुर, सरदारशहर व भीलवाडा आगारों को पुरस्कृत करते हुये सर्टिफिकेट एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। साथ ही भरतगिरी, यातायात निरीक्षक-उदयपुर एवं लोकेश कुमार, सहायक यातायात निरीक्षक कोटपूतली को सर्वाधिक बिना टिकिट यात्रा के प्रकरण पकडने के लिए सम्मानित किया गया। उच्चतम आय प्रति किमी देने वाले 6 परिचालकों तथा उच्चतम डीजल औसत देने वाले 3 चालकों को भी सम्मानित किया गया। निगम कर्मियों के 6 प्रतिभावान बच्चों को 10वी एवं 12वीं की परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करने पर प्रशस्ति पत्र एवं 1000 रुपए नकद प्रदान कर उन का उत्साहवर्धन किया गया। किशनगढबास तिजारा निवासी नागरिक दिलीप भगत को निस्वार्थ भाव से निगम बसों में यात्रा हेतु यात्रियों को प्रेरित करने एवं निगम की आय को बढाने हेतु सहायोग देने के लिए निगम मित्र की उपाधि से सम्मानित किया गया।

राजस्थान राज्य पशुपालन तथा मत्स्य सेवा संवर्ग के विभिन्न पदों की बकाया रिव्यू डीपीसी की बैठक आयोजित

» जागरूक जनता @ जयपुर। पशुपालन विभाग के राजस्थान राज्य पशुपालन सेवा संवर्ग के विभिन्न पदों की बकाया रिव्यू डीपीसी के लिए शासन सचिवालय में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो. अयूब खान ने की। यह जानकारी देते हुए पशुपालन, मत्स्य पालन एवं गोपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बताया कि बैठक में पशुपालन राज्य सेवा के संयुक्त निदेशक से अतिरिक्त निदेशक वर्ष 2022-23, उपनिदेशक से संयुक्त निदेशक वर्ष 2019-20 एवं 2020-21 तथा वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी से उप निदेशक वर्ष 2017-18 एवं 2019-20 के रिक्त पदों की डीपीसी समीक्षा की गई। बैठक में एस बी सिविल याचिका संख्या 13218/2624 में माननीय उच्च न्यायालय, जयपुर द्वारा 30 अगस्त, 2024 को पारित आदेश के परिप्रेक्ष्य में माननीय महाधिवक्ता, राजस्थान सरकार से राय प्राप्त होने तक शेष पदों की नियमित डीपीसी को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।

सुलभ शौचालय की मांग

» जागरूक जनता @ गुड़ामालानी। क्षेत्र के रामजी का गोल चार रास्ता पर सुलभ शौचालय नहीं होने से यात्रियों को खुले में शौच व पेशाब करना पड़ रहा है। प्रतिदिन यहां से सैकड़ों वाहनों की आवाजाही होती है। ग्रामीणों ने चार रास्ता पर जल्द सुलभ शौचालय बनाने की मांग की जिससे कि यात्रियों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

CCTV में देरी पर बंगाल सरकार की कोर्ट में खिंचाई

जूनियर डॉक्टरों की मशाल रैली।

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों में CCTV लगाने, अलग शौचालयों के निर्माण में धीमी गति को लेकर सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार की खिंचाई की। 15 अक्टूबर तक यह काम पूरा करने का निर्देश भी दिया। महिला डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में कोर्ट सुनवाई कर रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म से पीड़िता का नाम और फोटो हटाने को कहा। यह भी कहा कि फोटो या नाम पोस्ट करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। आदेश दिया जा चुका है और इसे लागू करना एजेंसियों का काम है। राज्य की ओर से वकील ने बताया कि डॉक्टर्स सिर्फ इमरजेंसी और जरूरी सेवाएं कर रहे हैं। डॉक्टरों की वकील इंदिरा जयसिंह ने कहा कि यह गलत है बल्कि असलियत यह है कि डॉक्टर इमरजेंसी के साथ OPD की सेवा भी दे रहे हैं।

नेतन्याहू से मोदी बोले, आतंक की जगह नहीं

FILE

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नेतन्याहू ने कहा, जल्द ईरान आज़ाद होगा

लेबनान में हिज्बुल्लाह चीफ नसरल्लाह और हमास के कमांडरों के मारे जाने के बीच सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्राइल के PM बेन्यामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की। इस बातचीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने X पर एक पोस्ट में कहा, 'PM नेतन्याहू से पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों के बारे में बात की। हमारी दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। क्षेत्रीय तनाव को रोकने और सभी बंधकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करना अहम है। भारत शांति और स्थिरता जल्द बहाल करने की कोशिशों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है।'

इस्राइली PM बेन्यामिन नेतन्याहू ने सोमवार को ईरान के लोगों से कहा, 'हर दिन, आप एक ऐसे शासन को देखते हैं जो आपको अपने अधीन कर लेता है। अगर उन्हें आपकी परवाह है, तो वह पूरे मिडिल ईस्ट में बेवजह के युद्धों पर अरबों डॉलर बर्बाद करना बंद करेगा। आपके जीवन में सुधार करना शुरू कर देगा। जब आखिर में ईरान आज़ाद होगा और वह पल बहुत जल्द आएगा, तब हमारे दो देश- इस्राइल और ईरान शांति से रहेंगे।'

घट स्थापना 3 को

» जागरूक जनता @ जयपुर। जगदंबा कॉलोनी नया खेड़ा स्थित श्री जगदंबा मातेश्वरी मंदिर समिति में आश्विन शुक्ल प्रतिपदा शारदीय घट स्थापना गुरुवार को प्रातः सवा सात बजे माताराणी की ज्योत लेकर की जाएगी। अध्यक्ष भवर सिंह व सचिव नवरतन सिंह ने बताया कि घटस्थापना के बाद माताराणी की आरती व अखंड ज्योत जलाई जाएगी। कार्यकरिणी के पदाधिकारी व भक्तजन माताराणी की आरती करेंगे।

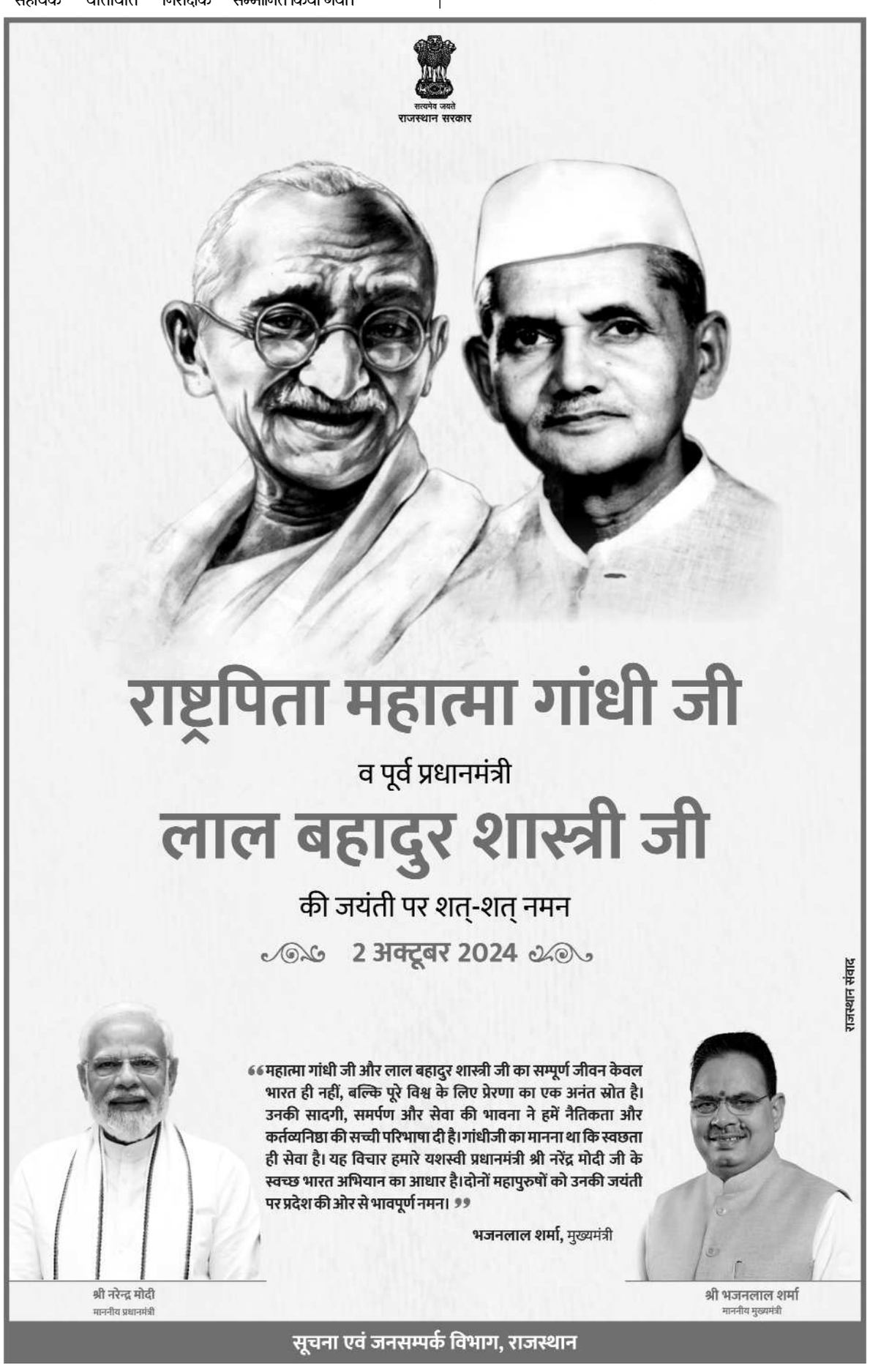

इंटरनैशल खिलाड़ी क्रिकेट में सबसे तेज़ 27 हज़ार रन बनाने का रेकॉर्ड अब विराट के नाम, कानपुर में एक नहीं कई रेकॉर्ड बने

बारिश थमी तो कानपुर में ऐसा गरजा बल्ला, टूटे रेकॉर्ड पर रेकॉर्ड, यह है भारत का विराट शिखर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कानपुर में हो रहे टेस्ट मैच में जैसे ही विराट कोहली ने बांग्लादेश के खिलाफ 35 रन बनाए, उनके नाम विराट रेकॉर्ड दर्ज हो गया। क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में कोहली ने 27 हजार रन पूरे किए। ऐसा करने वाले दुनिया के चौथे और सबसे तेजी से ये आंकड़ा छूने वाले नंबर एक खिलाड़ी बन गए। यह उपलब्धि सचिन तेंडुलकर का रेकॉर्ड तोड़कर हासिल की। टेस्ट मैच में बारिश तीन दिन से रुकावट बनी थी। भारतीय टीम ने चौथे दिन अपनी पहली पारी में आक्रामक बल्लेबाजी की। कोहली ने 35 गेंद में 47 रन बनाए। विराट ने अपनी 594वीं पारी में 27 हजार रन बनाने का कारनामा अंजाम दिया, जबकि सचिन ने 623 पारियों में 27 हजार रन का आंकड़ा छुआ था। कुमार संगाकारा ने 648 और रिकी पॉन्टिंग ने इस आंकड़े के लिए 650 पारियां खेलीं थीं।

विराट आंकड़े

10,000
रन ODI क्रिकेट में सबसे तेजी से बनाने वाले विराट कोहली नंबर 1 भारतीय। 205 पारियों में बनाए।

15,000
इंटरनैशनल रन सबसे तेजी से बनाने वाले क्रिकेटर विराट कोहली हैं। 333 पारियों में यह कारनामा किया था।

इंटरनैशनल मैच में रन रेकॉर्ड

34,357	सचिन तेंडुलकर	भारत
28,016	कुमार संगाकारा	श्रीलंका
27,483	रिकी पॉन्टिंग	ऑस्ट्रेलिया
27,012	विराट कोहली	भारत

जाडेजा का कारनामा, विकेट का तिहरा शतक

रेकॉर्ड बनाने में रविंद्र जाडेजा भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने बांग्लादेश के खलील अहमद को टेस्ट में अपना 300वां शिकार बनाया। जाडेजा टेस्ट में 300 विकेट लेने वाले सातवें भारतीय बन गए। साथ ही 300 टेस्ट विकेट और 3000 टेस्ट रन सबसे तेजी से पूरे करने वाले इंग्लैंड के इयान बाथम के बाद दूसरे खिलाड़ी भी बन गए हैं।

भारत के सबसे तेज़ 50, 100, 150... रेकॉर्ड चकनाचूर

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में रेकॉर्ड चकनाचूर करते हुए भारत ने सबसे तेज 50, 100, 150, 200, 250 रन बना डाले। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने 3 ओवर में 50 रन बना डाले। फिर टीम ने सबसे तेज शतक 10.1 ओवर में लगाया। 150 रन 18.2 ओवर में और 250 रन 30.4 ओवर में पूरे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत शहर में चलाया सफाई अभियान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। स्वच्छ भारत मिशन के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'स्वच्छता ही सेवा' 15 दिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' की थीम पर नगर पालिका द्वारा मुन्दड़ा सर्किल से सब्जी मण्डी रोड़ तक श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी दुदाराम, पालिका अध्यक्षा समु देवी सांखला, पूर्व चैयरमैन बाबुलाल टाक, अधिशाषी अधिकारी सुनिल, जनप्रतिनिधि सोहनलाल सांखला एंव अन्य पालिका के अधिकारी, कर्मचारी एंव इन्दिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के श्रमिको द्वारा श्रम दान किया गया। इस दौरान पालिका राजस्व निरीक्षक अक्षय राजपुरोहित, सहा. प्रशा. अधिकारी शिवलाल सैन, एमआईएस इंजिनीयर महेन्द्र पटेल, मोनिका टाक, समस्त सफाई प्रभारी एंव कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत दिनांक 02 अक्टुबर को गांधी जयंती एंव स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर स्वच्छता सैनिको को सम्मानित किया जायेगा।

जागरूक खबरें

डेयरी फार्मिंग एवं वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन विषय पर कौशल विकास प्रशिक्षण सम्पन्न

» जागरूक जनता @ झालावाड़। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. टी.सी. वर्मा ने बताया कि केन्द्र द्वारा "डेयरी फार्मिंग एवं वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन" विषय पर 5 दिवसीय कौशल विकास संस्थागत प्रशिक्षण 26-30 सितम्बर तक आयोजित किया गया। जिसमें 57 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। साथ ही बताया कि डेयरी फार्मिंग एवं वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन को उद्यम की तरह स्थापित कर स्वरोजगार सृजन कर वर्ष भर आमदनी प्राप्त की जा सकती है। डॉ. टी. ए. बन्सोड़, संयुक्त निदेशक (पशुपालन), झालावाड़ ने बताया कि पशुपालन में उन्नत नस्ल, वैज्ञानिक पशु आवास, संतुलित बांटा व चारा, पशु चिकित्सा व टीकाकरण एवं विपणन महत्वपूर्ण घटक है। इन सभी घटकों द्वारा डेयरी फार्मिंग को स्मार्ट तरीके से चलाने के साथ 365 दिन दुग्ध उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रशिक्षण में डॉ. एम.एस. आचार्य, पूर्व अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालरापाटन, प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. सेवाराम रूण्डला, डॉ. गोपाल शर्मा, वरिष्ठ पशु चिकित्सक, रीछवा, डॉ. विक्रम सिंह, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, झालावाड़, चन्द्रशेखर सुमन, निदेशक, पीएनबी-आरसेटी, झालरापाटन, डॉ. सी. पी. शेट्टी, उप निदेशक (पशुपालन), झालावाड़, घनश्याम मीणा, सह प्राध्यापक (पशुपालन), केवीके, बून्दी ने भी अपने विचार रखें।

उत्कृष्ट धर्मप्रचार कार्य के लिए सनातन संस्था का सम्मान

» जागरूक जनता @ कर्णावती (गुजरात)। 'समन्वय परिवार गुजरात' की ओर से 'पूर्व शंकराचार्य श्री भारतमाता मंदिर, हरिद्वार' के द्वितीय संस्थापक पूज्य ब्रह्मलीन पद्मश्री स्वामी श्री सत्यमित्रानंद गिरीजी महाराज की 93वीं जयंती के अवसर पर 'वाल्मीकि संत सम्मेलन' का आयोजन किया गया था। इस सम्मेलन में उत्कृष्ट धर्मप्रचार कार्य के लिए सनातन संस्था का सम्मान भाजपा शासित गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल के द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री ने सनातन संस्था के गुजरात के साधक चंद्रशेखर कद्रेकर का शॉल और प्रमाणपत्र देकर सम्मान किया।

वर्तमान सामाजिक न्याय पद्धति में न्यायपालिका की भूमिका विषय पर सेमिनार आयोजित

न्यायपालिका को राज्य की एक पृथक एवं स्वतंत्र इकाई के रूप में मान्यता मिली

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भरतपुर। हमारे प्राचीन भारतीय ग्रंथों में सामाजिक न्याय प्रदान करने की अवधारणा मूलतः वर्णित हैं। प्रारम्भ से ही मानव जीवन में समान व्यवहार को सामाजिक मान्यता प्राप्त है। किसी भी विधि और न्याय प्रणाली को अनुभव के बाद ही समझा जा सकता है। भारतीय न्याय व्यवस्था की वर्तमान स्थिति को प्रसिद्ध विधि वेत्ता एम सी सीतलवाड़ ने आंग्ल शासन प्रणाली की देन बतलाया है। 1773 की न्याय प्रशासन योजना में न्यायपालिका को एक महत्व पूर्ण स्थान दिया गया। यह कहना है अखिल भारतीय शहीद सुशील कुमार शर्मा फाऊंडेशन के सस्थापक अध्यक्ष मुख्य वक्ता विद्वान डॉ महेंद्र कुमार शर्मा का। डॉ. शर्मा पंडित मोतीलाल नेहरू विधि महाविद्यालय एवं विधि शोध केंद्र छतरपुर ग्वालियर (म प्र) में, वर्तमान सामाजिक न्याय पद्धति में न्यायपालिका की भूमिका विषय पर आयोजित सेमिनार में अपना उदबोधन दे रहे थे! डॉ. शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि झांसी की महारानी लक्ष्मीबाई के वर्ष 1857 में ग्वालियर में अंग्रेजों से लोहा लेते हुए शहीद हो जानें के उपरांत ही अंग्रेजी सत्ता ने भारत की राजनीति एवं विधि व्यवस्था पर वर्ष 1858 से पूर्ण नियंत्रण कर लिया। 26 जनवरी 1950 को संविधान के लागू होने के उपरांत भारतीय न्याय व्यवस्था उसके प्रावधानों के अनुसार हो गई है।

इस अवसर पर शामिल डॉक्टर राजेंद्र नाथ उपाध्याय, जो कि अखिल भारतीय शहीद सुशील कुमार शर्मा फाऊंडेशन के वर्तमान में सचिव हैं ने अपना शोध पत्र- संविधान और सामाजिक न्याय, शीर्ष पर प्रस्तुत करते हैं, यह उद्बोधित किया कि, सामाजिक न्याय की अवधारणा मूलतः हमारे प्राचीन भारतीय ग्रंथों तथा भारतीय विधि वा संवैधानिक विधि के इतिहास में मौजूद हैं। गांव स्तर पर जहां पंचों की अदालत द्वारा न्याय प्रदान किया जाता था वही ईस्ट इंडिया कम्पनी और ब्रिटिश शासन के कार्यकाल में ग्राम न्यायालय सद्विवेक न्यायालय , शांति न्यायालय, साम्य न्यायलाय, जूरी साम्य पद्धति द्वारा सामाजिक न्याय प्रदान किया जाता रहा। उन्होंने आगे बताया कि हमारे संविधान की उद्देशिका की प्रथम पंक्ति में ही सामाजिक न्याय की बात कही गई है। इसके अलावा मौलिक अधिकार सम्बंधी प्रावधान विशेषकर अनुच्छेद 14 में समानता का अधिकार एवं अनुच्छेद 21 में गरिमामय जीवन का अधिकार सामाजिक न्याय पद्धति की तरह से हैं। वहीं अनुच्छेद 39A में समान न्याय के अवसर के लिए निशुल्क कानूनी सहायता की व्यवस्था है तथा न्यायपालिका को राज्य की एक पृथक एवं स्वतंत्र इकाई के रूप मे हमारे संविधान में मान्यता दी गई है।

हमारे न्यायाधीश वा न्यायमूर्ति गण विधि के प्रावधानों की सीमा में रहते हुए, अपने विवेकाधिकार से सम्पूर्ण सामाजिक न्याय प्रदान करते हैं। हमारे न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी एन भगवती, भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एवं न्यायमूर्ति वी कृष्णअययार द्वारा, निर्धारित जन हित याचिका की अवधारणा से सामाजिक न्याय पद्धति की तस्वीर ही बदल डाली। न्यायपालिका की भूमिका, अब सामाजिक सक्रियता एवं उत्तरदायित्व के साथ न्याय प्रदान करती है भविष्य में डिजिटल मीडिया एवं कृत्रिम बुद्धिमता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से सामाजिक न्याय पद्धति को और मजबूत गति मिलती रहेगी यही आशा है! कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि न्यायाधीश न्यायमूर्ति शांतनु केमकर व बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य जितेन्द्र कुमार शर्मा एडवोकेट ने भी न्यायपालिका और अधिवक्ता संघ द्वारा सामाजिक न्याय पद्धति के लिए निरंतर प्रयास जारी रखने के लिए प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्व विद्यालय की कुलगुरू प्रो डॉ शुभा तिवारी ने कहा कि संविधान की मूल भावना से प्रेरित होकर न्याय पालिका सदैव सामाजिक न्याय प्रदान करती रहेगी यही आशा है।

कृषि आदान विक्रेता संघ का 9वां जिला महासम्मेलन संपन्न

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सीकर। जिला कृषि आदान विक्रेता संस्थान सीकर की आम सभा एवं 9वां जिला महासम्मेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में लगभग 120 कृषि आदान विक्रेता शामिल हुये।

इस अवसर पर राजस्थान एग्रीकल्चरल इनपुट डीलर्स एसोसिएशन जयपुर की ओर से अध्यक्ष पुरुषोत्तम खंडेलवाल व उपाध्यक्ष अभय शारदा ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मतदान प्रक्रिया से नये पदाधिकारियों का चयन हुआ। जिसमें अध्यक्ष मनोज बजाज, उपाध्यक्ष महेश घांसील, महासचिव राकेश खीचड़ एवं संयुक्त सचिव पद पर राजेंद्र को निर्वाचित घोषित किया गया। कार्यक्रम का संचालन दिनेश जाखड़ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आये अतिथियों का माल्यापर्ण व साफा पहना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में निश्चय किया गया कि जिला संस्थान व रायड़ा मिलकर कृषि आदान व्यापार की समस्याओं को दूर करने व संगठन को मजबूत करने का पूर्ण प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

भामाशाहों द्वारा छात्रों को पाठ्यलेखन सामग्री एवं श्रव्य दृश्य उपकरण किया भेंट

» जागरूक जनता @ सिरोही। ग्राम पंचायत अचपुरा के राजस्व गांव कासिंद्रा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कासिंद्रा में भामाशाह हितेंद्र सिंह देवल द्वारा विद्यालय के सभी विद्यार्थी को नोटबुक एवं पेन भेंट किए एवं सरस्वती माता मंदिर के सुरक्षा जाली निर्माण की घोषणा की। साथ ही भामाशाह पीर सिंह राजपूत द्वारा विद्यार्थियों के प्रभावी शिक्षण उपयोगार्थ श्रव्य दृश्य उपकरण भेंट किया। कार्यक्रम में गांव के वरिष्ठ जन एवं भामाशाह हितेंद्र सिंह देवल, हड़मत सिंह देवल, पीर सिंह विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य मुकेश पुरी विद्यालय स्टाफ महेन्द्र सिंह बाजिया, हमीर सिंह राणावत, अमृतलाल पुरोहित, पुनाराम, अर्जुन राम, जितेंद्र सिंह भीमाराम, देवी देवासी उपस्थित रहे। संस्था प्रधान महेंद्र सिंह बाजिया ने भामाशाहों का इस पुण्य कार्य के लिए हार्दिक आभार प्रकट किया।

शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्यों को लेकर भारत अनुसंधान यात्रा-2024 पहुंची सीयूजी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गांधीनगर। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), शिक्षा मंत्रालय, स्प्रिंगर नेचर के साथ मिलकर 19 सितंबर से 17 अक्टूबर तक भारत अनुसंधान यात्रा- 2024 का आयोजन कर रहा है। अनुसंधान यात्रा-2024 गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय पहुंची। यात्रा का उद्देश्य भारतीय अनुसंधान के बारे में जागरूकता पैदा कर रिसर्च इको सिस्टम को मजबूत करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में स्प्रिंगर नेचर इंडिया के प्रबंध निदेशक वेंकटेश सर्वसिद्धि ने अवलोकन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण एवं शोध यात्रा की बस को हरी झंडी दिखाकर हुई। प्रो. भावना पाठक ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। इस दौरान काउंसिल सदस्य प्रो. किरण कुमार के. सलागमे, स्प्रिंगर नेचर की इंडेक्सिंग प्रमुख, सोनल शुक्ला, प्रबंधक आउटरीच रिया डादरा व एम. रंगनाथन ने विभिन्न शोध प्रकाशनों, रिसर्च इंटीग्रिटी, ओपन एक्सेस और ट्रांसफॉर्मेटिव एग्रीमेंट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत शोध यात्रा-2024 प्रभावशाली अनुसंधान को आगे बढ़ाने में सहयोग करेगी।

शोध को बढ़ावा के उद्देश्यों पर हुई चर्चा

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने उच्च गुणवत्ता वाले शोध और इसे प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर शोध की अखंडता और भारतीय उच्च शिक्षा को सुदृढ़ करने में इसकी भूमिका पर एक फोकस समूह चर्चा का आयोजन भी किया गया। चर्चा में विश्वविद्यालय की प्रो. भावना पाठक, प्रो. पल्लवी शर्मा और प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने सक्रीय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे और प्रो. भावना पाठक द्वारा संपादित पुस्तक ÒClimate Change and Environmental Sustainabilit4' का विमोचन भी किया गया।

नेशनल आयुर्वेद यूथ कानक्लेव 15 नवम्बर से

देशभर के युवाओं को आयुर्वेद के माध्यम से सशक्त बनाना है उद्देश्य-प्रो.वैद्य प्रजापति

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। विश्व आयुर्वेद परिषद, एनआईए जयपुर एवं आयुर्वेद विवि जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में संयोजनम 2024 का आयोजन राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में दिनांक 15 से 17 नवंबर तक किया जाएगा। कुलपति प्रो. वैद्य प्रजापति ने कहा कि यह आयुर्वेद का राष्ट्रीय सम्मेलन युवाओं को नई क्षमताओं को खोजने, खुद को बेहतर बनाने, सशक्त बनाने तथा भविष्य के प्रयासों के लिए आत्मविश्वास पैदा करने में मदद करेगा। विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा आयुर्वेद के उत्थान के लिए किया जाने वाला कार्यक्रम संयोजनम प्रशंसनीय है।

परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. वैद्य गोविंद सहाय शुक्ला ने कहा कि आयोजन में आयुर्वेद के अग्रणी संस्थान राष्ट्रीय संस्थान जयपुर, डीम्ड यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. वैद्य संजीव शर्मा एवं डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति प्रो. वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति का महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। उन्होंने कहा कि यह आयुर्वेद का महाकुंभ है जिसमें देश भर के आयुर्वेद चिकित्सक, शिक्षक, शोधार्थी ज्ञान गंगा में डुबकी लगाएंगे। कार्यक्रम के आयोजन सचिव राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के स्नातकोत्तर क्रिया शारीर विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सी आर यादव ने बताया कि यह शैक्षणिक गुणवत्ता, चिकित्सा कौशल एवं शोध कार्यों की प्रस्तुति के लिए अनुठा आयोजन होने जा रहा है। जिसमें देश भर के आयुर्वेद मनीषी, आयुर्वेद अध्येता, शोधकर्ता, चिकित्सक एवं औषध निर्माताओ का संगम एवं विचार संप्रेषण होगा। कार्यक्रम में पोषणम, उद्बोधनम, क्रीडनम, कर्माभ्यासम, नूतनम, गतिविधिम आदि कार्यक्रम आयोजित होंगे। पोषण अंतर्गत आयुर्वेद आहार का संतर्पण जन्य व्याधि (मोटापा, डायबिटीज, मेटाबॉलिक डिसऑर्डर्स आदि) में उपयोगिता, कर्माभ्यास अंतर्गत आयुर्वेद में वर्णित प्रायोगिक कर्मों की क्रियाविधि जैसे शिरो बस्ती, शिरोधारा, नाडी परीक्षा, मर्म चिकित्सा, अग्निकर्म, नस्य कर्म, प्रकृति परीक्षण, जलौकावचारण आदि का अभ्यास करवाया जाएगा।

खेल प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में बढ़ती है खेल भावना-कुलपति सिंह

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में तीन दिवसीय अंतर कक्षीय खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने किया। डॉ बलराज सिंह ने सभी विद्यार्थियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि उन्हें सद्भावना,भाईचारा, अनुशासन व सम्पूर्ण रूप से नियमों का पालन करते हुए खेल की भावना से खेलो में भाग लेना चाहिए। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को खेलो के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि इन खेल प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच खेल भावना को बढ़ावा देना व शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य को सुधारना हैं। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ एम आर चौधरी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलो का हमारे सामाजिक जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान हैं। साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों से आग्रह किया की हर विद्यार्थी को अपनी दिनचर्या में कोई न कोई खेल जरूर शामिल करना चाहिए। डॉ बसंत कुमार भींचर व कार्यक्रम आयोजक सचिव डॉ नरेंद्र कुमार ने बताया की विद्यार्थियों को खेलो के नियमो से अवगत कराया।

पापा हैड कांस्टेबल, बेटा बना थानेदार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डालू जाखड़ रावतसर। निकटवर्ती ग्राम पंचायत नगोणी धतरवालो की ढाणी नया गांव बायतु निवासी हैंड कांस्टेबल नैनाराम पंवार का बेटा यशवंत पंवार आईटीबीपी में उप निरीक्षक बन गया।

पास आउट परेड समारोह अलवर में आयोजित हुआ जिसमें यशवंत के पापा और मम्मी शामिल हुए और उन्होंने अपने बेटे के कंधे पर स्टार लगायें तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था। यशवंत के पापा नैनाराम दिल्ली में प्रधान आरक्षक के पोस्ट पर तैनात है वहीं मां ग्रहणी है। यशवंत ने दिल्ली में रहकर अपनी तैयारी की। यशवंत अपनी ग्राम पंचायत का पहला थानेदार बना है जिससे पूरे गांव में खुशी का माहौल है। नैनाराम मेगवाल समाज से आते हैं और पूरा परिवार शिक्षित हैं। परिवार में बेटी कविता पंवार, गंगा गर्ल्स कालेज बालोतरा में लैब असिस्टेंट है वहीं दूसरी बेटी सविता पंवार,एम कांम ,बीएड कर रखी है कॉम्पीटिशन की तैयारी कर रही है वहीं एक बेटा मनीष पीटीआई के पद पर कार्यरत हैं और दूसरा अब थानेदार बना है। यशवंत को अब गंगटोक सिक्किम में पोस्टिंग मिली है। यशवंत के थानेदार बनने पर रिश्तेदार हैंड कांस्टेबल गंगाराम मूलू रावतसर, गेनाराम मेघवाल पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि रावतसर ने खुशी जताई है।

घर मंगवाये जागरूक जनता हमें कहें.....

सदस्यता फार्म

दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
विश्वसनीय हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

हिंदुस्तान जिंक की वेदांता ज़िंक सिटी हाफ मैराथन

रन फॉर जीरो हंगर के लिए दौड़े युवा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। देश की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा रन फॉर जीरो हंगर के उद्धेश्य से आयोजित हिन्दुस्तान ज़िंक की वेदांता ज़िंक सिटी हॉफ मैराथन अभूतपूर्व सफलता के साथ आयोजित हुई। भारत की सबसे खूबसूरत एवं एआईएमएस द्वारा प्रमाणित वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन के साथ उदयपुर में रविवार की सुबह उत्साह और उमंग से भरपूर थी। अल सवेरे जब इस मैराथन में शामिल होने वाले धावकों का जन समूह इसके उद्गम स्थल फिल्ड क्लब के लिए निकला तो शहर में हर तरफ दौड़ की ही चर्चा थी।

हजारों की संख्या में इस मैराथन में भाग लेने वालों के उल्लास ने जिंक सिटी उदयपुर में आयोजित इस दौड और शहर को वैश्विक दौड़ के मानचित्र पर मजबूती से स्थापित कर दिया। मैराथन में विश्व के एथलीट, भारतीय शीर्ष धावकों और दौड के शौकिन लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। मैराथन को उदयपुर सांसद मन्ना लाल रावत, विधायक उदयपुर शहर ताराचंद जैन, विधायक उदयपुर ग्रामीण फूल सिंह मीणा, पुलिस महानिरीक्षक उदयपुर रेंज राजेश मीणा, आयुक्त नगर निगम उदयपुर राम प्रकाश, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी उत्तर-पश्चिम रेलवे शशि किरण, आयुक्त उदयपुर विकास प्राधिकरण राहुल जैन, आरटीओ उदयपुर नेमीचंद पारेख, हिन्दुस्तान ज़िंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा, सचिव फील्ड क्लब उदयपुर उमेश मनवानी एवं संस्थापक एनीबडी कैन रन डॉ. मनोज सोनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रतिभागियों ने फतेह सागर झील की सुकून भरी सुबह और अरावली पर्वतमाला के सौंदर्य के साथ इस दौड़ का आनंद लिया जिसका मार्ग महाराणा प्रताप स्मारक, नीमच माता मंदिर पहाड़ी और हरे-भरे बगीचों की सुंदरता से परिपूर्ण था। मैराथन ने उदयपुर की समृद्ध ज़िंक की विरासत को पुनःस्मरण किया जो कि 2,500 से अधिक वर्षो से शहर के इतिहास के साथ जुड़ी हुई है। तीन श्रेणियों 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी के साथ इस आयोजन में सभी स्तर के धावकों के लिए प्रावधान था। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण हिंदुस्तान जिंक के प्रमुख जीवन तरंग कार्यक्रम के तहत 100 से अधिक दिव्यांग लोगों द्वारा प्रतिभागी बनना था, जिनका उत्साह वहां मौजुद हर व्यक्ति ने करतल ध्वनि के साथ किया। धावकों का उत्साहवर्धन करने के लिए उदयपुराईट्स ने भी अपना पूरा साथ देते हुए मैराथन के रास्ते पर सभी का जोश से स्वागत किया।

मैराथन में रोहित, मदीना, अजीत और खुशबु ने मारी बाजी

पुरुष वर्ग में 21 किलोमीटर की कड़ी प्रतिस्पर्धा में रोहित बंसीवाल ने जीत हासिल की, जबकि विक्टर कुरगट ने प्रथम रनर अप और गोपाल बैरवा ने द्वितीय रनर अप का स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में मदीना पॉल ने जीत हासिल की, जबकि सोनल सुखवाल ने प्रथम रनर अप और खुशी पाहवा ने द्वितीय रनर अप का स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में 10 किलोमीटर की चुनौती में अजीत कुमार ने जीत हासिल की, जबकि गणपत सिंह ने प्रथम रनर अप और दुर्गेंद्र ने द्वितीय रनर अप का स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में खुशबू ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि सपना कुमारी ने प्रथम रनर अप और सुनीता गुर्जर ने द्वितीय रनर अप का स्थान प्राप्त किया।

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26

जागरूक खबरें

बेघर घुमंतू बनेंगे जमीन के मालिक, मुख्यमंत्री देंगे निःशुल्क पट्टा

» जागरूक जनता @ जयपुर। राजस्थान में रहने वाली 32 विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू जाति के घूमने वाले बेघर लोग स्थाई घर का सपना साकार करेंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा बुधवार 2 अक्टूबर को प्रातः 11:30 बजे जयपुर मे दुर्गापुरा, टोंक रोड स्थित राज्य कृषि प्रबंध संस्थान मे आयोजित राज्य स्तरीय समारोह मे विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू परिवारों को आवासीय पट्टा वितरण करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर करेंगे। विशिष्ठ अतिथि के रूप मे जयपुर की सांसद मंजू शर्मा उपस्थित रहेंगी।

 # Mini Moon : पृथ्वी ने अपने गुरुत्वाकर्षण से खींचा करीब, 57 दिन तक ही पृथ्वी के चारों ओर चक्कर काटेगा

पृथ्वी के होंगे दो चंद्रमा! धरती का चक्कर लगाएगा मिनी मून!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

वॉशिंगटन। क्या आपने कभी सोचा है कि अगर पृथ्वी के दो चंद्रमा होंगे तो क्या होगा? कुछ ऐसा ही जल्द होने वाला है। क्योंकि कुछ समय के लिए पृथ्वी के 'दो चंद्रमा' होने वाले हैं। पृथ्वी अपनी कक्षा में एक एस्टेरॉयड को आकर्षित करने वाला है। वैज्ञानिक इसे मिनी मून कह रहे हैं। हालांकि यह कुछ महीनों के लिए ही पृथ्वी के मिनी मून के रूप में रहेगा। हालांकि इसे लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित मत होइए। क्योंकि यह एक ऐसी चीज नहीं है जो आपको नग्न आंखों से दिखाई दे सके।

केवल विशेष प्रकार के दूरबीन के जरिए ही इस वैज्ञानिक घटना को देखा जा सकता है। खगोलीय घटनाओं में दिलचस्पी रखने वाले लोगों के लिए यह मनमोहक है। इस

उल्कापिंड का नाम 2024 पीटी5 है। यह कुछ मानदंडों को पूरा करता है सिर्फ इसलिए इसी मिनी मून कहा जा रहा है। नहीं तो यह हमारे चंद्रमा की तुलना में बहुत छोटा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह खगोलीय पिंड एक स्कूल बस जितना बड़ा है। अगर इस आकार एस्टेरॉयड धरती से टकराता है तो एक शहर तबाह हो सकता है। लेकिन चिंता मत कीजिए क्योंकि ऐसा नहीं होने वाला।

कब धरती को मिलेगा मिनी मून

इस उल्कापिंड का आकार एक स्कूल बस के जैसा है। यह रविवार (29 सितंबर) को पृथ्वी के पास से गुजरा और धरती ने अपने गुरुत्वाकर्षण से अपने करीब खिंच लिया। यह बस 57 दिन तक ही पृथ्वी के चारों ओर चक्कर काटेगा। 25 नवंबर को यह पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकल जाएगा। लगभग 6.6 करोड़ साल पहले लगभग 10 किमी व्यास वाला एक एस्टेरॉयड पृथ्वी से टकराया था, जिसके कारण पूरी दुनिया से डॉयनासोर का खात्मा हो गया था। वैज्ञानिकों ने कहा कि शुरुआती अनुमान के मुताबिक एस्टेरॉयड की लंबाई 11 मीटर है। वहीं यह पृथ्वी के लिए खतरा नहीं होगा। वैज्ञानिकों के मुताबिक इसकी दूरी चंद्रमा से भी ज्यादा दूर होगी।

पहली बार कब दिखा था मिनी मून

यह पहली बार नहीं है जब पृथ्वी को एक मिनी मून मिलेगा। अब तक ज्ञात यह पृथ्वी का पांचवां मिनी मून है। पहला मिनी मून 1991 में देखा गया था। इसरो के पूर्व वैज्ञानिक मनीष पुरोहित के मुताबिक 2024 PT5 नाम का एक एस्टेरॉयड धरती का कुछ समय के लिए साथी बनेगा। लंबे समय तक हमारे ग्रह के गुरुत्वाकर्षण के करीब आने के बाद इसका मार्ग प्रभावित हुआ है, जिस कारण यह मिनी मून बनेगा और नवंबर तक ग्रह का चक्कर लगाएगा। लेकिन इसे एक चांद नहीं माना जा सकता। क्योंकि यह एस्टेरॉयड पृथ्वी के चारों ओर एक पूरा चक्कर नहीं लगाएगा। यह 55 दिनों तक घोड़े की नाल के आकार में घूमेगा। पृथ्वी की परिक्रमा पूरा करने से पहले यह गुरुत्वाकर्षण से बाहर निकल जाएगा।

महिला ने दो गर्भाशयों से दो बच्चों को दिया जन्म, सभी हैरान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। चीन के शांक्सी प्रांत के एक अस्पताल में एक महिला के दो अलग अलग गर्भाशयों से जुड़वां बच्चों को जन्म देना सुर्खियां बटोर रहा है। ली नामक इस महिला के शरीर में दो गर्भाशय हैं, जिससे उन्होंने एक लड़के और एक लड़की को सीजेरियन सेक्शन से एक साथ जन्म दिया है। ली का गर्भकाल साढ़े आठ महीने का था, लड़के का वजन 3.3 किलोग्राम और लड़की का वजन 2.4 किलोग्राम है। मां सहित दोनों शिशु स्वस्थ और सुरक्षित हैं।

दोहरे गर्भाशय की स्थिति बहुत दुर्लभ

डॉक्टरों का मानना है कि दोहरे गर्भाशय की स्थिति बहुत दुर्लभ है, प्राकृतिक गर्भाधारण से दो गर्भाशयों से दो बच्चों को जन्म देना लाखों में एक मामला है। महिला में गर्भाशय डिडेलफिस नामक एक दुर्लभ स्थिति का पता चला है, जो दुनिया भर में केवल 0.3 प्रतिशत महिलाओं को प्रभावित करती है। इसमें महिला के दो पूर्ण विकसित गर्भाशय होते हैं, जिनमें से प्रत्येक में अंडाशय और डिंबवाहिनी का अपना सेट होता है। इस स्थिति वाली महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान अक्सर गर्भपात, समय से पहले जन्म और अन्य परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। हालांकि, ली का केस लाखों में से एक है, क्योंकि उन्हें इस तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ा और उन्होंने स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया है।

सभी के लिए ख़ुशी का विषय

मामला वास्तव में बहुत दिलचस्प और असामान्य है। ली का गर्भाशय डिडेलफिस एक बेहद दुर्लभ स्थिति है, जो कई महिलाओं में देखने को नहीं मिलती। इस तरह की स्थिति में, महिलाओं के पास दो पूर्ण विकसित गर्भाशय होते हैं, जो कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। हालांकि, ली का सफल गर्भाधारण और स्वस्थ बच्चों का जन्म इस स्थिति में एक सकारात्मक उदाहरण है।

शारदीय नवरात्र
एवं स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
ग्राम पंचायत-कोजरा
अपील
पॉलीथीन का उपयोग न करें। वृक्षारोपण करें। ग्राम पंचायत क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं करें। पानी की बचत करें। डेंगू के प्रकोप से बचने के लिए ग्राम को स्वच्छ रखें। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं। सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। वोटर आईडी से आधार नम्बर लिंक, जनआधार से बैंक खाता लिंक, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र अवश्य बनायें।
सुमिता देवी
सरपंच
जितेन्द्र कुमार प्रजापत
उपसरपंच
लेखराज गुर्जर
ग्रा.वि. अधिकारी
समस्त वार्ड पंच एवं ग्रामवासी

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

Remembering
MAHATMA GANDHI
LAL BAHADUR SHASTRI
OCTOBER
Great Indian Souls,
on their Birth Anniversary
Aarna Associates
A Complite Used Car Loan
Call us : 9828333666

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039